सुविचार

खुद का अपमान कराके जीने से तो अच्छा मर जाना है क्योंकि प्राणों के त्यागने से केवल एक ही बार कष्ट होता है पर अपमानित होकर जीवित रहने से आजीवन दुःख होता है।

-चाणक्य

# हैलो सरकार

जनता की भावनाओं एवं आकांक्षाओं का एकमात्र समाचार-पत्र

पल-पल की टी.वी. एवं रेडियो खबरों के लिए लॉग ऑन करें- www.hellosarkar.com

हैलो सरकार समाचार पत्र में नियमित पाठक बनने, समाचार की प्रति मंगवाने व विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें
कोनः 0141-2202717
मोः 9214203182
वाट्सप नं. 9928078717

वर्ष-23 | अंक-280 | दैनिक प्रभात संस्करण | जयपुर, शनिवार 14 जून , 2025 | पृष्ठ-4 | मूल्यः 2.50

## सड़क निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का रखें ध्यान, तय समय में निर्माण कार्य हों पूरे-मुख्यमंत्री

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आधारभूत ढ़ांचे के विकास से राज्य के विकास को गति मिलती है। हमारी सरकार की प्राथमिकता है कि भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए आवागमन को सरल और सुगम बनाने के लिए गुणवत्तापूर्ण सड़कों का तंत्र विकसित किया जाए।

मुख्यमंत्री शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में सार्वजनिक निर्माण विभाग के 10 करोड़ रू. से अधिक लागत के निर्माणाधीन लंबित प्रोजेक्ट्स की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने सड़कों के सुदृढ़ीकरण एवं चौड़ाईकरण से संबंधित कार्यों में गति लाने के निर्देश देते हुए कहा कि इन कार्यों में लापरवाही बरतने पर जिम्मेदार लोगों के विरूद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए।

**सड़क उन्नयन एवं मरम्मत कार्य मानसून से पहले हों पूरे**

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि हर गांव, हर कस्बा सड़क मार्ग से जुड़ा हो ताकि आवागमन में आमजन को परेशानी नहीं हो। उन्होंने कहा कि सड़कों के उन्नयन एवं मरम्मत से संबंधित कार्यों में गति लाई जाए तथा मानसून से पहले उन्हें पूरा किए जाने के प्रयास किए जाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभागीय कार्यों की मॉनिटरिंग व्यवस्था को प्रभावी रूप से लागू किया जाए ताकि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके। साथ ही, उन्होंने वन विभाग सहित अन्य विभागों से संबंधित प्रक्रियाओं को समन्वय स्थापित करते हुए पूरा करने के निर्देश दिए।

**रेलवे फाटक मुक्त होगा राजस्थान**

बैठक में शर्मा ने आरओबी अथवा आरयूबी निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रदेश को शीघ्र पूर्ण रूप से रेलवे फाटक मुक्त किया जाए। उन्होंने प्रदेश में प्रगतिरत आरओबी अथवा आरयूबी निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

बैठक में सार्वजनिक निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विभागीय प्रोजेक्ट्स की जानकारी दी। इस अवसर पर संबंधित अधिकारीगण मौजूद थे।

## JDA की बैठक- शहर के इंफ्रास्ट्रक्चर को मिलेगी नई रफ्तार, सड़कों-पार्कों और सीवरेज प्रोजेक्ट्स पर मुहर

जयपुर। जयपुर विकास आयुक्त आनन्दी की अध्यक्षता में जयपुर विकास प्राधिकरण की कार्यकारी समिति की बैठक जेडीए के मंथन सभागार में आयोजित की गई। इस बैठक में विभिन्न एजेंडों पर विचार-विमर्श अनुमोदन प्रदान किया गया।

जेडीए जयपुर के जोन-7 क्षेत्र में मिसिंग/शेष सड़कों के निर्माण कार्य हेतु निविदा का अनुमोदन किया गया। यह कार्य दर अनुबंध पर होगा और इसमें विभिन्न सेक्टरों की सड़कों का निर्माण किया जाएगा।

जोन-8 में विभिन्न सेक्टरों की सड़कों के निर्माण एवं चौड़ीकरण कार्य हेतु निविदा अनुमोदन किया गया।

जोन-8 के अंतर्गत स्वर्ण विहार, पर्ल रिगिलिया और केसर नगर में पीएचईडी द्वारा जल वितरण नेटवर्क में किए गए रोड कट का नवीनीकरण और जीर्णोद्धार कार्य हेतु निविदा अनुमोदन किया गया।

जेडीए क्षेत्र में पार्कों के विकास

के लिए संशोधित दिशा-निर्देशों को स्वीकृति प्रदान की गई।

जोन-8 में न्यू सांगानेर रोड पर यातायात सुधार कार्य हेतु निविदा स्वीकृति दी गई।

स्वर्ण जयंती ऑक्सीजन पार्क विद्याधर नगर, जीरोता पार्क, नेवता जैव विविधता पार्क, और लांगरियावास आनंद वन पार्क के लिए विस्तृत लैंडस्केप परियोजना रिपोर्ट तैयार करने हेतु सलाहकार की खरीद के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

जेडीए जयपुर के जोन-1 में मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र में प्रमुख सड़कों के नवीनीकरण कार्य हेतु निविदा अनुमोदन किया गया।

पीआरएन दक्षिण जोन जेडीए में सेक्टर-जी की हाल ही में अनुमोदित कॉलोनियों में बीटी सड़कों का निर्माण कार्य हेतु निविदा अनुमोदन किया गया।

जेडीए, जयपुर के अधिकार क्षेत्र में विभिन्न आकारों के एसटीपी सांझरिया के लिए मैनहोल निर्माण और सीवरेज जोन-4 में लेटरल सीवर लाइन उपलब्ध कराने और जोड़ने के कार्य हेतु निविदा को मंजूरी दी गई। जेडीए के जोन-14 में बालावाला, लाखना से चंदलाई वाया वाटिका तक 200 फीट/100 फीट सेक्टर रोड के निर्माण कार्य हेतु निविदा को मंजूरी दी गई।

जोन-8 में सांगानेर फ्लाइओवर से चोरड़िया पेट्रोल पंप होते हुए मालपुरा गेट के पास तक एलिवेटेड रोड के निर्माण हेतु प्री-बिड मीटिंग के कार्यवाही विवरण का अनुमोदन प्रदान किया गया।

जयपुर शहर के लिए वर्तमान में प्रभावी तृतीय मास्टर डवलपमेंट प्लान-2025 की निर्धारित क्षितिज अवधि को वर्ष 2025 तक बढ़ाने की स्वीकृति दी गई।

जोन-6 में मिसिंग लिंक्स और विभिन्न सेक्टरों की सड़कों के निर्माण कार्य हेतु निविदा अनुमोदन किया गया।

जेडीए क्षेत्र में टी.एस./डीजीपीएस द्वारा सर्वेक्षण कार्य (दर अनुबंध) (2025-2026) हेतु बोली दस्तावेजों का अनुसमर्थन किया गया।

जेडीए में 10 लाख रूपये राशि तक के समस्त प्रकार के रिफण्ड के सरलीकरण हेतु वित्तीय शक्तियों के विकेंद्रीकरण हेतु निदेशक/अतिरिक्त आयुक्तों को रिफण्ड स्वीकृति की शक्तियों प्रदान करने का अनुमोदन किया गया है। उक्त प्रक्रिया से रिफण्ड कार्य शीघ्र संपादित सुनिश्चित होगा। उल्लेखनीय है कि अभी तक समस्त रिफण्ड सचिव, जेडीए की स्वीकृति उपरांत किये जाते थे।

बैठक में जयपुर शहर के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण कार्यों की निविदादाओं का अनुमोदन किया गया। जिससे शहर में इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूती मिलेगी और आमजन/नागरिकों को बेहतर सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

## 19 आरएएस अफसरों के आईएएस में प्रमोशन की प्रक्रिया जल्द होगी पूरी

जयपुर। राजस्थान में RAS से IAS प्रमोशन की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। अगले सप्ताह DPC बैठक के बाद 19 अधिकारियों का प्रमोशन तय माना जा रहा है। इसके बाद सरकार ट्रांस्तबादला सूची भी जारी करेगी, जिससे प्रशासनिक व्यवस्था में नई ऊर्जा आएगी।

राजस्थान में राज्य सेवा (RAS) से भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS) में पदोन्नति की प्रक्रिया इस माह पूरी की जाएगी। इसके लिए केंद्रीय कार्मिक विभाग (DoPT) द्वारा अगले सप्ताह तक डीपीसी (DPC) की बैठक आयोजित किए जाने की संभावना है। इस बार 19 RAS अधिकारियों को प्रमोशन देकर IAS कैडर में शामिल किया जाएगा।

**1997 और 1998 बैच के अधिकारी दौड़ में**

प्रमोशन की दौड़ में 1997 और 1998 बैच के RAS अधिकारी शामिल हैं। चयन एसीआर और मेरिट के आधार पर होगा। राज्य सरकार द्वारा पूर्व में 57 अधिकारियों की सूची केंद्र को भेजी गई थी, जिनमें से 19 का चयन संभावित है।

**संभावित प्रमोशन सूची में ये नाम शामिल**

सूत्रों के मुताबिक जिन अधिकारियों को IAS में प्रमोशन मिल सकता है, उनमें ये नाम प्रमुख हैं-

राजेंद्र सिंह, गजेंद्र सिंह राठौड़
राकेश कुमार शर्मा, नवनीत कुमार
सुखवीर सैनी, जसवंत सिंह
महेंद्र खींचीं, जगवीर सिंह
हरसहाय मीणा, जुगल किशोर मीणा, ललित कुमार, डॉ. शिव प्रसाद सिंह, मेघना चौधरी
(अन्य नामों की पुष्टि प्रक्रिया पूर्ण होने पर होगी)

## मौसम अपडेट-राजस्थान में हीटवेव जारी, जल्द मिलेगी आंधी-बारिश से राहत, तापमान में आएगी गिरावट

जयपुर। राजस्थान में जल्द ही मानसून की गतिविधियाँ तेज होने की उम्मीद है, जिससे आगामी दिनों में तापमान में गिरावट और गरज-चमक के साथ बारिश देखने को मिलेगी। वर्तमान में, दक्षिणी राजस्थान के ऊपर एक परिसंचरण तंत्र सक्रिय है, जो बंगाल की खाड़ी से आने वाली पूर्वी हवाओं को मजबूत कर रहा है। यह स्थिति अगले कुछ दिनों में मानसून को पूर्वी और मध्य भारत के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ प्रदान कर रही है। आज, 13 जून को, उदयपुर, कोटा और भरतपुर संभाग के कुछ हिस्सों में दोपहर बाद तेज आंधी-बारिश की प्रबल संभावना है। इसके अलावा, जोधपुर, बीकानेर, जयपुर और भरतपुर संभाग के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान 45 से 48 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज होने की उम्मीद है, जिससे तीव्र हीटवेव का दौर जारी रहेगा। यह भीषण गर्मी उन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हो सकती है, इसलिए सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

मौसम विभाग के जयपुर केंद्र के मुताबिक आज शुक्रवार 13 जून को 11:30 बजे श्रीगंगानगर में

तापमान 46.2 डिग्री तक पहुंच गया। कल इस समय 43.8 डिग्री दर्ज किया गया था। जबकि शुक्रवार को चूरू में 45 डिग्री, बीकानेर में 42.8 डिग्री और जयपुर में 41.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

कल, 14 जून को, उदयपुर, कोटा, जयपुर और भरतपुर संभाग के कुछ भागों में मानसून पूर्व की गतिविधियों में और वृद्धि होने की संभावना है। इसके परिणामस्वरूप, इन क्षेत्रों में तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की जा सकती है, जिससे लोगों को थोड़ी राहत मिल सकती है। विशेष रूप से, जोधपुर और बीकानेर संभाग में भी हीटवेव का दौर जारी रहने की संभावना है, लेकिन दोपहर बाद कहीं-कहीं मेघगर्जन, अंधड़ (50-60 किमी प्रति घंटा) और हल्की बारिश होने की संभावना है, जो इन क्षेत्रों में गर्मी से कुछ हद तक निजात दिला सकती है।

15 जून से मानसून पूर्व की आंधी-बारिश की गतिविधियों में और भी अधिक बढ़ोतरी होने की प्रबल संभावना है। इस अवधि में तापमान में 2-4 डिग्री सेल्सियस की और गिरावट होने का अनुमान है, जिससे हीटवेव से महत्वपूर्ण राहत मिलने की उम्मीद है। यह बदलाव किसानों और आम जनता दोनों के लिए स्वागत योग्य होगा, क्योंकि इससे भीषण गर्मी से कुछ राहत मिलेगी और कृषि गतिविधियों को भी फायदा होगा। कुल मिलाकर, राजस्थान में अगले कुछ दिनों में मौसम में महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिलेगा, जिसमें भीषण गर्मी के बाद मानसून पूर्व की गतिविधियों और तापमान में गिरावट का अनुभव होगा। लोगों को मौसम विभाग द्वारा जारी की गई नवीनतम सलाहों का पालन करने और अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने की सलाह दी जाती है। यह मौसम परिवर्तन राज्य के विभिन्न हिस्सों में जल स्तर को भी प्रभावित कर सकता है।

## अनशन कर रहे अभ्यर्थियों की बिगड़ी तबियत, मिलने पहुंचे किरोड़ी लाल मीणा

जयपुर। राजस्थान यूनिवर्सिटी में राजस्थान प्रशासनिक सेवा (RAS) मुख्य परीक्षा-2024 को स्थगित करने की मांग को लेकर अभ्यर्थियों का अनशन लगातार जारी है। अभ्यर्थी मेंस परीक्षा की तारीख बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। इस बीच, भजनलाल सरकार में मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने शुक्रवार सुबह प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों से मुलाकात की और उन्हें आश्वस्त किया कि उनकी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से बात की जाएगी।

मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने अभ्यर्थियों से कहा कि कल 5 लोग आ जाना, मैं ट्रस्ट में आपकी बात करा दूंगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार अभ्यर्थियों के हित में जल्द ही कोई समाधान निकालने का प्रयास करेगी। किरोड़ी लाल मीणा ने अभ्यर्थियों की मांगों को गंभीरता से लेते हुए उनकी समस्याओं को समझने और मुख्यमंत्री तक पहुंचाने का वादा किया।

**अभ्यर्थियों की सेहत पर असर**

बता दें, लगातार अनशन के कारण कई अभ्यर्थियों की तबीयत बिगड़ रही है। फिर भी, उन्होंने स्पष्ट किया है कि जब तक उनकी

मांगें पूरी नहीं होतीं, वे अनशन खत्म नहीं करेंगे। अभ्यर्थियों का कहना है कि ट्रस्ट की ओर से स्पष्ट और समयबद्ध कार्रवाई की जरूरत है।

**क्या हैं अभ्यर्थियों की मांगें?**

बताते चलें कि, लगभग 20 अभ्यर्थी राजस्थान यूनिवर्सिटी में अनशन पर बैठे हैं। उनकी मुख्य मांग है कि 17-18 जून को प्रस्तावित ट्रस्ट मुख्य परीक्षा की तारीख को कम से कम तीन महीने आगे बढ़ाया जाए। अभ्यर्थियों का कहना है कि उन्हें तैयारी के लिए पर्याप्त समय नहीं मिला है और पिछली ट्रस्ट परीक्षा का अंतिम परिणाम अभी तक घोषित नहीं हुआ है।

इससे कई अभ्यर्थी दोनों परीक्षाओं में चयनित हो सकते हैं, जिसके चलते अन्य अभ्यर्थियों की सीटें प्रभावित हो सकती हैं। इसके अलावा, वे राजस्थान लोक सेवा आयोग (ट्रस्ट) से एडमिट कार्ड फिलहाल जारी नहीं करने और एक वार्षिक परीक्षा कैलेंडर जारी करने की मांग भी कर रहे हैं, ताकि भविष्य की परीक्षाओं को लेकर स्पष्टता रहे।

**RPSC अध्यक्ष का बयान**

हाल ही में राजस्थान लोक सेवा आयोग के 40वें अध्यक्ष बने उत्कल रंजन साहू ने भी इस मामले पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि कुछ अभ्यर्थी ट्रस्ट मुख्य परीक्षा की तारीख बदलने की मांग कर रहे हैं, यह मेरे संज्ञान में है। मैं पहले पूरे मामले को समझूंगा और फिर कोई निर्णय लूंगा। साहू ने यह भी आश्वासन दिया कि भविष्य में सभी परीक्षाएं पारदर्शिता के साथ आयोजित की जाएंगी और पहले की गड़बड़ियों को सुधारा जाएगा।

**17-18 जून को परीक्षा का आयोजन**

RAS मुख्य परीक्षा 2024 का आयोजन 17-18 जून को होना निर्धारित है। अभ्यर्थियों की मांग है कि परीक्षा की तारीख बढ़ाने के साथ-साथ प्रक्रिया में पारदर्शिता और स्पष्टता लाई जाए।

## शिकंजे में तस्करों का गिरोह-एजीटीएफ ने 424 किलो गांजे के साथ पांच आरोपी पकड़े

### 2 करोड़ से ज्यादा कीमत की खेप बरामद

जयपुर। राजस्थान में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने एक बड़ी सफलता दिलाई है। एजीटीएफ की टीम ने जयपुर दक्षिण के चाकसू थाना क्षेत्र में एक ट्रक से 424 किलोग्राम अवैध गांजा जब्त करते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार करवाया। इससे कुछ समय पहले टीम ने शिवदासपुरा टोल पर नाकाबंदी कर ट्रक को एस्कॉर्ट कर रही एक स्कॉर्पियो समेत गैंग के सरगना सहित तीन जनों को पकड़ लिया था। जब्त किये गए मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 2 करोड रुपए आंकी गई है। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध एवं एजीटीएफ दिनेश एम एन ने बताया कि इस कार्रवाई में पांच आरोपियों को मादक पदार्थ की तस्करी करते रंगे हाथों पकड़ा गया। जिन्हें थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान सुमेर मीणा पुत्र रामचन्द्र (48), नानगराम बलाई पुत्र चौथु राम (55), नरेंद्र सिंह जाट पुत्र धर्मपाल (45) और दीपक गुर्जर पुत्र मोगा राम (38) निवासी खोराबिसल, जयपुर पश्चिम) के साथ-साथ हिमांशू माटा पुत्र प्रेम चन्द (29) निवासी करनाल, हरियाणा के रूप में हुई है। इनके पास से गांजे के साथ-साथ दो वाहन एक ट्रक और एक स्कॉर्पियो भी जब्त किए गए हैं।

**तस्करों के नेटवर्क पर एजीटीएफ का शिकंजा**

एडीजी दिनेश एम एन के कड़े निर्देशों के तहत एजीटीएफ की टीम लगातार सक्रिय रह कर इनामी अपराधियों व अवैध मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में उपमहानिरीक्षक पुलिस योगेश यादव एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिद्धांत शर्मा के सुपरविजन में गठित टीम के सदस्य एएसआई शंकर दयाल शर्मा एवं हेड कांस्टेबल कमल सिंह व शशिकांत को बिहार और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों से जयपुर में गांजा तस्करी किए जाने की खुफिया सूचना मिली थी।

पुलिस निरीक्षक सुभाष सिंह के कुशल नेतृत्व में एजीटीएफ की 17 सदस्यीय टीम ने इस सूचना को तकनीकी संसाधनों और गहन आसूचना संकलन के माध्यम से विकसित किया गया, जिसके बाद इस बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ किया गया। इस कार्रवाई ने राज्य में नशे के कारोबारियों पर नकेल कसने के एजीटीएफ के इरादों को और मजबूत किया है।

**शिवदासपुरा टोल पर पकड़ी एस्कोर्ट कर रही स्कार्पियो**

छत्तीसगढ़ से मिनी ट्रक में भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ तस्करी कर लाये जाने की पुख्ता सूचना पर एजीटीएफ की टीम ने स्थानीय पुलिस के साथ मिल कर शिवदासपुरा टोल पर नाकाबन्दी कर तेज गति से आ रही एक स्कॉर्पियो गाड़ी को रुकवाया गया। जिसमे तीन व्यक्ति सुमेर मीणा, नरेंद्र और नानग राम सवार थे। जिन्होंने पीछे आ रहे एक मिनी

ट्रक को एस्कॉर्ट करना बताया।

**चाकसू में पकड़ा अवैध मादक पदार्थ से भरा ट्रक**

ट्रक में अवैध मादक पदार्थ गांजा की बड़ी खेप थी। दोनों गाड़ियां जीपीएस से कनेक्ट थी, इस वजह से स्कॉर्पियो पकड़े जाने का अंदेशा होते ही ट्रक चालक दीपक और हिमांशु चाकसू इलाके में ट्रक को रोक खेतों में होकर भागने लगे, इन दोनों को भी एजीटीएफ की टीम ने स्थानीय थाना पुलिस को साथ लेकर घेर कर पकड़ लिया।

**दवाइयां की आड़ में छत्तीसगढ़ से की जा रही थी तस्करी**

टीम ने ट्रक की तलाशी ली तो उसमें दवाइयां के बॉक्स रखे हुए थे, जिसकी आड़ में आरोपी तस्कर नशे की तस्करी कर रहे थे। इस गैंग का सरगना सुमेर मीणा है। जो पहले भी दो बार छत्तीसगढ़ से मादक पदार्थ तस्करी कर जयपुर लेकर आया था, तीसरी बार एजीटीएफ की सतर्कता से पकड़ा गया। गिरोह का सरगना सुमेर मीणा खुद आगे रहकर स्कॉर्पियो से ट्रक को छत्तीसगढ़ से ही एस्कॉर्ट कर रहा था।

**टीम का सराहनीय योगदान**

इस पूरी कार्रवाई में एएसआई शंकर दयाल शर्मा और हैड कांस्टेबल कमल सिंह और शशिकांत की विशेष भूमिका रही, जिन्होंने सूचना संकलन और ऑपरेशन को अंजाम देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। एएसआई शैलेंद्र शर्मा, हैड कांस्टेबल सुरेश कुमार, नरेंद्र सिंह, मदन लाल, अरुण कुमार, कांस्टेबल नरेश कुमार, रतिराम, बृजेश शर्मा, संदीप, सुरेश, हरीश, राजवीर और चालक सुरेश कुमार का भी सराहनीय सहयोग रहा। इस कार्रवाई में एसएचओ चाकसू मनोहर लाल मय टीम एवं थाना शिवदासपुरा से उप निरीक्षक लेखराज व कांस्टेबल मेघराज मय टीम शामिल थे।

एजीटीएफ की इस कार्रवाई से नशे के खिलाफ राजस्थान पुलिस के अभियान को एक नई गति मिली है। पुलिस का कहना है कि ऐसे अभियान भविष्य में भी जारी रहेंगे ताकि राज्य को मादक पदार्थों से मुक्त किया जा सके।

# स्वैच्छिक रक्तदान की संस्कृति को बढ़ावा देकर उजाला बनें

(लेखक- ललित गर्ग )
(विश्व रक्तदाता दिवस -14 जून 2025 पर विशेष)

ऐसा दानदाता समाज, सृष्टि एवं परमेश्वर के प्रति अपना कर्तव्य पालन करता है। रक्तदाता कोई भी हो सकता है, जिसका रक्त किसी अत्यधिक जरुरतमंद मरीज को दिया जा सकता है। किसी के द्वारा दिये गये रक्त से किसी को नया जीवन मिल सकता है, उसकी जिन्दगी में बहार आ जाती है। इस वर्ष इस दिवस की थीम है 'रक्त दें, आशा दें- साथ मिलकर हम जीवन बचाते हैं।' यह थीम रक्तदाताओं के जीवन-परिवर्तनकारी प्रभाव पर प्रकाश डालती है, समुदाय और एकता का सम्मान करती है, तथा नए और नियमित रक्तदाताओं दोनों को जीवन बचाने में मदद करने के लिए प्रेरित करती है।

किसी के जीवन में रंग भरने का, जीवन और मौत के बीच जूझ रहे लोगों को जीवन देने का और अधिक स्वास्थ्य संकट से घीरे व्यक्ति के जीवन में आशा की किरण बनने का सशक्त माध्यम है रक्तदान। दुनिया भर में अनगिनत लोगों को रक्त की अपेक्षा होती है, इसलिये रक्तदान-महादान है। रक्तदान के महत्व को उजागर करने के लिये विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा हर साल 14 जून को 'विश्व रक्तदान दिवस' मनाया जाता है। किसी व्यक्ति के जीवन में रक्तदान के महत्व को समझाने के साथ ही रक्तदान करने के लिये आम इंसान को प्रेरित एवं प्रोत्साहित करने के लिये यह दिवस मनाया जाता है। इंसान की सम्पत्ति का कोई मतलब नहीं अगर उसे बांटा और उपयोग में नहीं लाया जाए, चाहे वे शरीर का रक्त ही क्यों न हो। किसी व्यक्ति की रक्तअल्पता के कारण मृत्यु न हो, इस दृष्टि से रक्तदान एक महान् दान है, जो किसी को जीवन-दान देने के साथ हमें स्वर्ग-पथ की ओर अग्रसर करता है। ऐसा दानदाता समाज, सृष्टि एवं परमेश्वर के प्रति अपना कर्त्तव्य पालन करता है। रक्तदाता कोई भी हो सकता है, जिसका रक्त किसी अत्यधिक जरुरतमंद मरीज को दिया जा सकता है। किसी के द्वारा दिये गये रक्त से किसी को नया जीवन मिल सकता है, उसकी जिन्दगी में बहार आ जाती है। इस वर्ष इस दिवस की थीम है 'रक्त दें, आशा दें- साथ मिलकर हम जीवन बचाते हैं।' यह थीम रक्तदाताओं के जीवन-परिवर्तनकारी प्रभाव पर प्रकाश डालती है, समुदाय और एकता का सम्मान करती है, तथा नए और नियमित रक्तदाताओं दोनों को जीवन बचाने में मदद करने के लिए प्रेरित करती है।

दरअसल विश्व रक्तदान दिवस, शरीर विज्ञान में नोबल पुरस्कार प्राप्त कर चुके वैज्ञानिक कार्ल लैंडस्टाईन की याद में पूरे विश्व में मनाया जाता है, उनका जन्म 14 जून 1868 को हुआ था। उन्होंने मानव रक्त में उपस्थित एग्ल्युटिनिन की मौजूदगी के आधार पर रक्तकणों का ए, बी और ओ समूह की पहचान की थी। रक्त के इस वर्गीकरण ने चिकित्सा विज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसी खोज के लिए महान वैज्ञानिक कार्ल लैंडस्टाईन को साल 1930 में नोबल पुरस्कार दिया गया था। उनकी इसी खोज से आज करोड़ों से ज्यादा लोग रक्तदान रोजाना करते हैं और इसी के कारण लाखों की जिंदगियां बचाई जाती हैं, जिससे रक्त प्राप्त करने वाले व्यक्ति को एक नयी जिंदगी और उनके परिवारों के चेहरे पर एक प्राकृतिक मुस्कुराहट देता है। रक्तदान का महत्व न केवल उन हजारों लोगों के जीवन को बचाना है जो रक्त की कमी या अभाव के कारण जीवन एवं मृत्यु के बीच संघर्षरत हैं, बल्कि विभिन्न बीमारियों से प्रभावित कई अन्य लोगों के जीवन को बचाना और उन्हें अनेक बीमारियों से लड़ने में मदद करना भी है। कल्पना कीजिए कि यह जानकर कैसा महसूस होगा कि आपने किसी की जान बचाई है। आपकी वजह से, कोई व्यक्ति अब अपने परिवार के साथ रह रहा है, पढ़ाई कर रहा है और दुनिया में मौजूद है। यह दिन चुनौतियों को स्वीकार करता है और सुरक्षित रक्त दान को सार्वभौमिक रूप से सुलभ बनाने की दिशा में प्रगति को गति देता है।

इस दिवस को मनाने का एक और महत्वपूर्ण कारण स्वैच्छिक रक्तदान की संस्कृति को बढ़ावा देना है। जो यह सुनिश्चित करता है कि दुनिया को सबसे ज्यादा ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित रक्त मिल सके। यह भी देखा गया है कि जब लोगों ने अपना रक्तदान किया है, तो उन्हें कई स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हुए हैं। रक्तदान करने वाले ज्यादातर लोग अपनी बीमारियों से जल्दी ठीक हो जाते हैं और लंबी उम्र जीते हैं, यह वजन घटाने, स्वस्थ लीवर और आयरन के स्तर को बनाए रखने, दिल के दौरे और कैंसर के जोखिम को कम करने में भी मदद करता है। इस अभियान का उद्देश्य सुरक्षित रक्त और प्लाज्मा दान की निरंतर आवश्यकता के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाना, दानकर्ताओं के सकारात्मक प्रभाव पर जोर देना, तथा राष्ट्रीय रक्त कार्यक्रमों में निवेश करने और उन्हें बनाए रखने के लिए सरकारों और विकास भागीदारों से समर्थन जुटाना है।

भारत विश्व की सबसे बड़ी आबादी वाला देश होने के बावजूद रक्तदान में काफी पीछे है। रक्त की कमी को खत्म करने के लिए विश्व भर में रक्तदान दिवस मनाया जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक के तहत भारत में सालाना एक करोड़ यूनिट रक्त की जरूरत है लेकिन उपलब्ध 75 लाख यूनिट ही हो पाता है। यानी करीब 25 लाख यूनिट रक्त के अभाव में हर साल हजारों मरीज दम तोड़ देते हैं। यह अकारण नहीं कि भारत की आबादी भले ही डेढ़ अरब पहुंच गयी हो, रक्तदाताओं का आंकड़ा कुल आबादी का एक प्रतिशत भी नहीं पहुंच पाया है। वहीं दुनिया के कई सारे देश हैं जो इस मामले में भारत को काफी पीछे छोड़ देते हैं। मालूम हो कि नेपाल में कुल रक्त की जरूरत का 90 फीसदी स्वैच्छिक रक्तदान से पूरा होता है तो श्रीलंका में 60 फीसदी, थाईलेण्ड में 95 फीसदी, इण्डोनेशिया में 77 फीसदी और अपनी निरंकुश हुकूमत के लिए चर्चित बर्मा में 60 फीसदी हिस्सा रक्तदान से पूरा होता है।

रक्तदान को लेकर विभिन्न भ्रांतियां समाज में परिव्याप्त है। रक्त की महिमा सभी जानते हैं। रक्त से आपकी जिंदगी तो चलती ही है साथ ही कितने अन्य के जीवन को भी बचाया जा सकता है। भारत में अभी भी बहुत से लोग यह समझते हैं कि रक्तदान से शरीर कमजोर हो जाता है और उस रक्त की भरपाई होने में महीनों लग जाते हैं। इतना ही नहीं यह गलतफहमी भी व्याप्त है कि नियमित रक्त देने से लोगों की रोगप्रतिरोधक क्षमता कम होती है और उसे बीमारियां जल्दी जकड़ लेती हैं। यहाँ भ्रम इस कदर फैला हुआ है कि लोग रक्तदान का नाम सुनकर ही सिहर उठते हैं। भारतीय रेडक्रास के अनुसार देश में रक्तदान को लेकर भ्रांतियाँ कम हुई हैं पर अब भी काफी कुछ किया जाना बाकी है। किसी व्यक्ति को रक्त की आवश्यकता क्यों होती है इसके विभिन्न कारण हैं। एक बीमारी, दुर्घटना असाध्य ओपरेशन कुछ भी हो सकती है, लेकिन यह महत्वपूर्ण है।

रक्तदान करते हुए डोनर के शरीर से केवल 1 यूनिट रक्त ही लिया जाता है। एक बार रक्तदान से आप 3 लोगों की जिंदगी बचा सकते हैं। ब्लड डोनेशन की प्रक्रिया काफी सरल होती है और रक्त दाता को आमतौर पर इसमें कोई तकलीफ नहीं होती हैं। रक्त दाता का वजन, पल्स रेट, ब्लड प्रेशर, बॉडी टेम्परेचर आदि चीजों के सामान्य पाए जाने पर ही डॉक्टर्स या ब्लड डोनेशन टीम के सदस्य आपका ब्लड लेते हैं। पुरुष 3 महीने और महिलाएं 4 महीने के अंतराल में नियमित रक्तदान कर सकती हैं। यदि आप स्वस्थ हैं, आपको किसी प्रकार का बुखार या बीमारी नहीं हैं, तो ही आप रक्तदान कर सकते हैं। रक्तदान खुशी देने एवं खुशी बटोरने का एक जरिया है। एक चीनी कहावत- पुष्प इकट्ठा करने वाले हाथ में कुछ सुगंध हमेशा रह जाती है। जो लोग दूसरों की जिंदगी रोशन करते हैं, उनकी जिंदगी खुद रोशन हो जाती है। रक्तदान ऐसा पुण्य है जो किसी को नयी जिन्दगी देता है तो खुद को भी खुशी का अहसास कराता है।

रक्तदान पूरे विश्व में मनाये जाने वाले महत्वपूर्ण दिवसों में से एक है। कोई भी व्यक्ति चाहे, वह किसी भी उम्र, जाति, धर्म और समुदाय का हों, वह रक्तदान कर सकता है। भारत महर्षि दधीचि जैसे ऋषियों का देश है, जिन्होंने एक कबूतर के प्राणों व असुरों से जन सामान्य की रक्षा के लिये अपना देहदान कर दिया था। परंतु समय के साथ भारत में रक्तदान की प्रवृत्ति में गिरावट देखी गई। निश्चित तौर पर रक्तदान करके किसी अन्य व्यक्ति की जिंदगी में नई उम्मीदों का सवेरा लाया जा सकता है। इस तरह रक्तदान करने से एक प्रेरणादायी शक्ति पैदा होती है, जो अद्भुत होती है, यह ईश्वर के प्रति सच्ची प्रार्थना है। इस तरह की उदारता व्यक्ति की महानता का द्योतक है, जो न केवल आपको बल्कि दूसरे को भी प्रसन्नता, जीवनऊर्जा एवं जीवन प्रदान करती है।

## संपादकीय

## हृदय विदारक हादसा

गुजरात स्थित अहमदाबाद हवाई अड्डे के पास एयर इंडिया के विमान की भयावह दुर्घटना ने पूरे देश को दुख और गम में डुबो दिया। हाल के वर्षों में हुई यह बड़ी दुखद दुर्घटना हवाई यात्रा से जुड़े जोखिमों पर नये सिरे से गंभीर मंथन की जरूरत को बताती है। निश्चित रूप से यह हादसा नागरिक उड्डयन के लिये भी एक बड़ा झटका है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में शामिल है। आज भारत दुनिया के अग्रणी विमानन बाजारों में शुमार है। विडंबना यह है कि अभी दो महीने पहले ही नई दिल्ली में विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो यानी एएआईबी में अत्याधुनिक डिजिटल फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर प्रयोगशाला का उद्घाटन किया गया था। करीब नौ करोड़ रुपये की लागत से बनी इस प्रयोगशाला को केंद्र सरकार ने विमानन सुरक्षा बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया था। जिसका मकसद हवाई दुर्घटनाओं की पहचान करना और जवाबदेही सुनिश्चित करना था। ताकि सुरक्षा उपायों को लेकर जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिये तंत्र में सुधार किया जा सके। अब विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो को गुरुवार को बोइंग 787 ड्रीमलाइनर के दुर्घटनाग्रस्त होने की जांच का काम सौंपा गया है। एएआईबी के पास अब यह पता लगाने की जिम्मेदारी होगी कि गुरुवार को हुई दुर्घटना के असल कारण क्या थे। बल्कि निकट भविष्य में हवाई यात्राओं को सुरक्षित बनाने के लिए भी सुझाव दिए जा सकेंगे। इसके अंतर्गत ब्यूरो बोइंग के सुरक्षा रिकॉर्ड और परिचालन निरीक्षण की भी गहराई से जांच करेगा। निश्चित रूप से परिचालन प्रक्रिया कड़ी जांच के दायरे में होगी। उल्लेखनीय है कि तकनीकी खामियों के चलते बोइंग के कई अन्य 787 ड्रीमलाइनरों की सुरक्षा प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाये जाते रहे हैं। हाल के वर्षों में कई व्हिसल ब्लोअर्स ने 787 ड्रीमलाइनर के सुरक्षा उपायों को लेकर गंभीर चिंताए जताई थीं। जिसके बाद यूएस फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन यानी एफएए ने ड्रीमलाइनर विमान के उत्पादन और असेंबली प्रक्रियाओं की गहन जांच की थी। उल्लेखनीय है कि बोइंग की सुविधाओं के एफएए द्वारा ऑडिट करने पर निर्माण की प्रक्रिया में अनियमितताओं और कंपनी की सुरक्षा संस्कृति में खामियों का पता चला था। बल्कि व्हिसल ब्लोअर्स ने तो यहां तक भी आरोप लगाए थे कि बोइंग की कार्यप्रणाली में खामियों को उजागर करने के लिए उन्हें बदले की कार्रवाई का सामना भी करना पड़ा था। उल्लेखनीय है कि रिपब्लिक एयरवेज के सीईओ ब्रायन बेडफोर्ड, जिन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा एफएए का प्रमुख नियुक्त किया गया है, ने बुधवार को कहा था कि वर्ष 2018 और 2019 में दो बोइंग 737 मैक्स दुर्घटनाओं से जुड़ी एक प्रमुख सुरक्षा प्रणाली की विफलता के बारे में कुछ वास्तविक व गंभीर सबक सीखे गए हैं, जिसमें 346 लोगों की मृत्यु हो गई थी। निश्चित रूप से अहमदाबाद विमान हादसे के बाद भारतीय अधिकारियों को अपने अमेरिकी समकक्षों के साथ गंभीर विमर्श करना चाहिए। उससे मिले इनपुट गुजरात दुर्घटना की गहन जांच करने में सहायक साबित हो सकते हैं। बहरहाल, अहमदाबाद से लंदन जा रही फ्लाइट एआई 171 के हादसे ने सैकड़ों परिवारों को गहरे जख्म दे दिए हैं। हादसे में दो सौ से अधिक लोगों के मरने की पुष्टि हो चुकी है, वहीं एक व्यक्ति के जीवित बचने को कुदरत का करिश्मा माना जा रहा है। दूसरी ओर रिहाइशी इलाके में विमान के गिरने से हुई क्षति भी दुखद है। पुलिस द्वारा चालीस लोगों के अस्पताल में उपचाराधीन होने की बात भी कही जा रही है। कहना कठिन है कि यह कैसी स्थिति है कि एक मेडिकल कालेज के पास हुई इस दुर्घटना में घायलों को तुरंत उपचार देना संभव हो पाया है।

# जो होना है उसे कौन टाल सकता है

(लेखक- संजय गोस्वामी)

भारत के अहमदाबाद एयरपोर्ट से प्लेन के टेक ऑफ करने के तुरंत बाद मेघानीनगर इलाके में यह हादसा हुआ है। विमान अहमदाबाद से लंदन जा रहा था, प्लेन में 12 क्रू मेंम्बर्स (दो पायलट समेत) और 230 यात्रियों सहित कुल 242 लोग सवार थे। विमान में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी भी सवार थे। विमा ने गुरुवार12/6/25 दोपहर 1 बजकर 38 मिनट पर उड़ान भरी थी और दो मिनट के बाद ही 1 बजकर 40 मिनट बाद क्रैश हो गया एअर इंडिया के विमान-ड्ड-171 ने दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (ड्डलड्ड-द्गह्नक्षश्चह्ल) से अहमदाबाद के लिए उड़ान भरी थी किसी भी व्यक्ति के जीवित रहने का कोई संभावना नहीं है लेकिन रमेश कुमार नामक व्यक्ति बच गए ऐ किसी चमत्कार से कम नहीं है- दु:खद समाचार है लेकिन उसमें एक बच गया कोई कुछ भी कहे की टेक्निकल फाल्ट था लेकिन उसका इंडिकेशन दीखता है जो होना होगा उसे कोई टाल नहीं सकता जिसको बचना होगा वो बच जायेगा जिसकी जितने सांस ईश्वर ने दि है उतनी मिलता है मृतकों के प्रति गहरी सम्बेदना है ईश्वर सभी मृतकों की आत्मा को शांति प्रदान करें एक आदमी बचा और चलने भी लगा इससे साफ जाहिर होता जिसको जिस तरह मरना होता है उसे ऐ घटना काल बनकर आती है कुछ को बचना लिखा होता है वह बच जाता है जिसमें कितने के फ्लाइट छूट गए हैं उन्ही में से एक यात्रियों में एक महिला सौभाग्यशाली रही कि अहमदाबाद के व्यस्त ट्रैफिक ने उन्हें बचा लिया। ट्रैफिक में फंसने के कारण वह 10 मिनट की देरी से सरदार बल्लभभाई एयरपोर्ट पहुंची थीं। इसके बाद उन्हें अहमदाबद लंदन की फ्लाइट में बोर्डिंग की इजाजत नहीं मिली। उसने एयरपोर्ट स्टॉप से बहुत रिक्वेस्ट की लेकिन उसको बोर्डिंग पास नहीं मिला और वो निराश होकर रह गई। मीडिया से बातचीत में भूमि चौहान ने बताया कि फ्लाइट के टेकऑफ के लिए 1:10 बजे का समय शेड्यूल था। भूमि चौहान ने बताया कि इस हादसे की सूचना के मिलने के बाद वह बुरी तरह से कांप गई। पैर हिलने लगे। काफी देर तक वह सदमें रहीं। भूमि ने बताया कि जब वह दुखी होकर एयरपोर्ट से एग्जिट गेट पर पहुंची तब उन्हें पता चला कि जिस फ्लाइट को उन्होंने मिस किया है, वह क्रैश हो गया है। अनहोनी घटना होती है जो दु:खद होता है लेकिन कौन मरता नहीं है जिसे बचना होगा वो बच जायेगा दुर्घटना होती है हादसा कह कर नहीं आती और ऐ दुर्घटना पर किसी को दोष नहीं जिया जा सकता है क्योंकि यह एक बोइंग विमान था जिसका पुरे विश्व में कम से कम 800 विमानों का ऑर्डर अभी तक पूरा नहीं हुई अभी भी बन रहा है यदि कोई खामी होती है तो पायलेट विमान इंजीनियर होते है उन्हें विमान के सभी सिस्टम की जानकारी होती है देखिए आपदा में दोष के बजाये लोगों को बचाने और उनके परिवार को संभालने की जरुरत है मौसम भी बढ़िया था और लोग ज्यादा इसलिए मारे गए क्योंकि विमान टेकऑफ करते समय सीट बेल्ट बाधंने से उठने तक का मौका नहीं मिला लेकिन एक बात हमेशा ध्यान देने की जरुरत है वो यह है कि एयर पोर्ट के आस पास रिहाईसी बिल्डिंग का निर्माण ना हो पहले एयर पोर्ट बहुत दूर होते थे अब सब सामने रहते हैं इससे पायलेट को बहुत सोच समझ कर उड़ान भरना पड़ता है और दुर्घटना में किसी बिल्डिंग पर गिरता है तो वहाँ भी विमान के दबने से वहाँ के रहने वाले लोगों की मौत हो जाता है खैर विमान दुर्घटना अन्य देशों के मुकाबले कम हुआ है ऐ एक आपदा है जिसे कोई नहीं जान सकता है बाद में आप कुछ भी कहते रहें विमान यदि किसी दूसरे के द्वारा मार गिराया जाता है तो युद्ध हो जाता है लेकिन जब कुदरत का कहर होता है तो उसे दोष क्या देंगे ऐ समय का चक्र है एक दिन सबको मरना है अत: हमेशा प्रभु राम का ध्यान करते रहिये और जिसने बनाया है उसी ने प्राण लिया दु:ख तो बहुत है लेकिन समरथ को नहीं दोष गोसाई, जो तुलसीदास महाराज ने कहा उस महाशक्ति ईश्वर को दोष नही दिया जा सकता है क्योंकि उसी ने सब कुछ बनाया है अत: हिम्मत से काम लें और उनके परिवार पर जो आपदा आई है उसके साथ खड़ा रहें मानवता ही सबसे बड़ा धर्म है.एक बार 1985 की बात है जब फतुहा से मोकामा जानेवाली ट्रेन में आग लगी जिसमें मेरे चाचाजी रोज पटना ऑफिस में जाते थे लेकिन दादाजी मेरे रामायण का पाठ करते थे उन्होंने चाचाजी को एक काम दे दिया जिसके करने में उन्हें घर पहुंचने में देरी हुई और ट्रेन छूट गई रोज उनके साथ जाने वालेसाथी ट्रे न में जल कर मर गए कोरोना आया और कितने को मार डाला जिसके बारे में किसने भविष्यवाणी की आपदा आती है जिसपर किसी का नियंत्रण नहीं होता है जिसे जाना होगा वो जायेगा जिसे बचना होगा वो बच जायेगा जैसे एक आदमी बच गया ऐ एक अलग बहाना होता है वो एग्जिट गेट में बैठा था जबकी उसने खुद बताया कि अचानक विस्फोट हुआ आग लगा और कुछ ही सेकेण्ड में मरते हुए देखा हुआ उसे बचना लिखा था इसलिए वो बच गया अत: शांति से काम लें और ईश्वर से उनके आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करें अमेरिका के 9/11 आतंकी घटना में कितने लोग मारे गए लेकिन यदि किसी अन्य कारण से होता तो कुदरत का कहर ही मान सकते हैं लेकिन आतंकवादी घटना थी इसलिए अमेरिका ने अफगानिस्तान के अलकायदा को खत्म ही कर दिया क्योंकि की किसी को भी जान लेने हिंसा करने की इजाजत ईश्वर कभी नहीं देता लेकिन जो सब कुछ उसी ने दिया और उसके मर्जी से ही ऐ दुर्घटना हुई इसलिए इसपर राजनीती करना बिलकुल गलत है ऐ होना लिखा था जान जाना निश्चित था और दु:खद घटना हुई आप ही सोचें कौन मरेगा नहीं आज न कल सभी को इस संसार से विदा लेना है फर्क यही है कोई समय से जायेगा कोई पहले जायेगा इसलिए हमेशा प्रभु राम का ध्यान करते रहें जो होगा वो संसार की एक प्रकिया है जिसे वही टाल सकता है जो संसार का निर्माण किया है।

(चिंतन-मनन)

# धर्म का मूल केंद्र है वर्तमान

धर्म जगत ने धर्म को केवल परलोक के साथ जोड़कर भारी भूल की है। इसका परिणाम यह हुआ कि धर्म का असली प्रयोजन तिरोहित हो गया। वह स्वर्ग-सुखों के प्रलोभन और नरक-दुख के भय से जुड़ गया। हर धर्म-प्रवर्तक ने धर्म को जीवन से जोड़ा, किंतु धर्म-परंपराओं ने उसे स्वर्ग और नरक से जोड़ दिया। धर्म का मूल केंद्र वर्तमान है न कि भूत और भविष्य। हम वर्तमान क्षण को कैसे जियें, धर्म का सारा दर्शन इसी पर टिका हुआ है। वर्तमान विषम है तो भविष्य भी विषम होगा। यदि वर्तमान सम और सुखमय है तो भविष्य भी सम और सुखमय ही होगा। यानी भविष्य वैसा ही होगा जैसा वर्तमान है। इसीलिए धर्म का असली प्रयोजन वर्तमान को सजाने-संवारने का है। इस केंद्रीय विचार से भटक जाने के कारण धर्म भूत और भविष्य में उलझ गया। वर्तमान को उसने बिल्कुल ही भुला दिया। इसलिए लोगों ने वर्तमान को केवल अतीत का परिणाम मान लिया। इससे भाग्यवाद की विचारधारा का जन्म हुआ। भाग्य को बदला नहीं जा सकता, इसलिए वे वर्तमान से विमुख हो गए और भविष्य की चिंता में पड़ गए। जिसके पास कोठी, महंगी कार और विदेशों में छुट्टी मनाने के साधन हैं, वे अतीत के परिणाम हैं। जो वैभव-संपन्न नहीं हैं, वे जप-तप में इसलिए लगे हैं ताकि भविष्य में भी साधन-संपन्न बन सकें। ऐसे में धर्म का पूरा उद्देश्य ही बदल गया। जो आत्म-केंद्रित था, वह वस्तु-केंद्रित हो गया। जो वस्तु-विमुख था, वह वस्तु-सम्मुख बन गया। इसी विचार के फलस्वरूप धर्म के नाम पर व्यापार और सौदेबाजी चलने लगी। जहां भी प्रलोभन और भय है वहां धर्म नहीं है। धर्म है आत्म उज्ज्वलता का साधन। धर्म है सोई हुई शक्तियों के पुनर्जागरण का उपादान। यह है आत्म-स्वभाव में रमण। धर्म ही है आत्म शांति और विश्व शांति का एकमात्र साधन। वर्तमान जीवन को आनंदपूर्ण बनाने का गुर। भगवान महावीर ने कहा है- आत्मा ही नरक है, आत्मा में ही स्वर्ग है, आत्मा में ही बंधन है, आत्मा में ही मोक्ष है। जिसके भीतर नरक नहीं, उसके लिए बाहर कहीं भी नरक नहीं। जिसके भीतर स्वर्ग नहीं, उसके लिए बाहर कहीं भी स्वर्ग नहीं। महावीर ने भीतर पर जोर दिया जबकि हम बाहर पर जोर दे रहे हैं। बाहर के स्वर्ग और नरक की चिंता में उलझे हैं। इसी चिंतन का दुष्परिणाम यह हुआ कि बाहर से जप-तप, पूजा-पाठ चल रहे हैं, लेकिन दूसरी तरफ छल-कपट, झूठ, शोषण, राग-द्वेष, नफरत भी पल रहे हैं। यानी धर्म करते हुए भी जीवन में कोई परिवर्तन नहीं है, कोई प्रांति नहीं है। इसी वजह से जीवन की शांति गायब हो गई। शांति वर्तमान में ही घटित हो सकती है। इसलिए हम अपने को वर्तमान से जोड़ें, उसे सजायें-संवारें, संगीतमय और आनंदमय बनाएं। यही धर्म है।

## विचार मंथन

# इजराइल का ईरान पर हमला तीसरे विश्व युद्ध की शुरुआत?

(लेखक- सनत जैन)

विश्व स्तर पर तनाव चरम सीमा पर पहुंच गया है। इजराइल ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर बड़े पैमाने पर हमला कर दिया है। इससे ईरान का आसमान सफेद, काले, नारंगी और लाल रंग के धुंए से पट गया। इस हमले में 300 से अधिक मिसाइलें दागी गई। नताज सहित कई न्यूक्लियर साइट्स को इस हमले में निशाना बनाया गया है। इजराइल ने दावा किया है, कई परमाणु वैज्ञानिकों की हमले में मौत हुई और ईरान को भारी नुकसान हुआ है। यह हमला इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की ओर से ऑपरेशन राइजिंग लायन का हिस्सा बताया गया है। यह हमला ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नष्ट करने के लिए किया गया है। इस हमले में अमेरिका की भी मूक सहमति है। खुले तौर पर अमेरिका इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ले रहा है। हमले के बाद ईरान ने कड़ा जवाब देने की चेतावनी देकर ड्रोन से इजरायल पर हमला शुरू कर दिया है। तेहरान ने इसे युद्ध की घोषणा मानते हुये कहा कि ईरान ऐसा जवाब देगा, जिससे इजराइल कांप उठेगा। विदेशी मामलों के जानकार एवं रक्षा विशेषज्ञों का मानना है, कि यह हमला क्षेत्रीय और वैश्विक शांति के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। फारस की खाड़ी में तनाव बढ़ने से तेल और गैस की आपूर्ति पर संकट मंडरा रहा है। होर्मुज की खाड़ी, जहां से दुनिया का 40 फीसद से अधिक तेल का परिवहन कई देशों के लिए होता है, उसके ब्लॉक होने से सारी दुनिया के जनजीवन और व्यापार को लेकर बड़ा खतरा उत्पन्न हो गया है। भारत ने फारस की खाड़ी से गुजरने वाली सभी उड़ानों को वापस बुला लिया है। वैश्विक शेयर बाजारों में भारी गिरावट हो रही है। भारतीय शेयर बाजार में निफ्टी और सेंसेक्स 1000 अंक तक लुढ़क गए हैं। कच्चे तेल की कीमतें आसमान छूने लगी हैं।

अमेरिका ने इस हमले को लेकर अपना पल्ला झाड़ लिया है। सूत्रों का दावा है, नेतन्याहू को अमेरिका के राष्ट्रपति राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन प्राप्त है। ईरान के साथ भारत की बहुत पुरानी दोस्ती है। विश्लेषकों ने इजराइल की इस कार्रवाई को परमाणु अपराध निरूपित किया है। इजराइल ने अभी जो इराक के ऊपर हमला किया है। यह हमला विश्व युद्ध के खतरे को बढ़ाता है। द्वितीय विश्व युद्ध के 75 वर्षों बाद पहली बार न्यूक्लियर साइट्स पर हमला हुआ है। ईरान के जवाबी हमले से आसपास के देशों की प्रतिक्रिया से स्थिति विस्फोटक होना तय है। विश्व समुदाय ईरान पर हुए हमले के बाद संयम और कूटनीति की अपील कर रहा है। क्या इससे यह संकट टल पाएगा। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू अपनी सत्ता बचाने के लिए ईरान और गाजा को निशाना बना रखा है। डोनाल्ड ट्रंप का अमेरिका में भारी विरोध हो रहा है, ऐसी स्थिति में उन्होंने भी इजराइल के कंधे पर सवार होकर सारी दुनिया को भयाक्रांत करने में लगे हुए हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू जिस तरह से आतंक फैला रहे हैं, उससे सारी दुनिया परेशान है। नेतन्याहू ने अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की बात नहीं मानी, मानव अधिकारों का लगातार उल्लंघन कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा जो नियम युद्ध के लिए बनाए गए थे उनका भी पालन नहीं कर रहे हैं। जिस तरह की मनमानी अमेरिका और इजराइल मिलकर कर रहे हैं उसके बाद अब यह स्पष्ट रूप से दिखने लगा है, इजराइल द्वारा ईरान के ऊपर किए गए हमले के बाद विश्व युद्ध को रोका जाना संभव नहीं है। परमाणु ठिकानों पर हमला करके वैश्विक आबादी के लिए जो खतरा पैदा किया गया है वह इतनी आसानी से निपटने वाला नहीं है। इस हमले के बाद दुनिया के देशों की अर्थव्यवस्था तथा परमाणु हमले की आशंका के चलते जिस तरह का वातावरण बन गया है उसमें भारी तबाही होना तय माना जा रहा है। वर्तमान स्थिति में कोई भी ऐसा वैश्विक नेता नहीं है जो इस युद्ध की आशंका को रोक सके। सभी बड़ी-बड़ी महाशक्तियां इस विनाशकारी युद्ध की आग में घी डालने का काम करके युद्ध को भड़काने का काम कर रहे हैं।

राष्ट्र संघ सुरक्षा परिषद और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं अपना वजूद खो चुके हैं। ऐसी हालत में 75 वर्षों से जो नहीं हुआ था अब वह होने जा रहा है। एक बार फिर सारी दुनिया विनाश की ओर आगे बढ़ रही है। समय रहते यदि इसे नहीं रोका गया तो विनाशकारी परिणाम बहुत जल्द देखने को मिल सकते हैं। पिछले तीन दशक में छोटे-छोटे देशों के पास भी नवीन तकनीकी के हथियार जो बड़े विनाशकारी साबित हो रहे हैं ऐसी स्थिति में एक बार युद्ध शुरू हुआ तो इसे रोकना बहुत मुश्किल होगा। भारत को इस स्थिति में पड़ोसी देशों के साथ अपने संबंध और विदेशनीति में सुधार करने की जरूरत है। गुटनिरपेक्ष देश के रूप में अब भारत की पहचान नहीं रही, जिसके कारण भारत वह भूमिका अदा नहीं कर पा रहा है जो गुटनिरपेक्ष आंदोलन के समय भारत भूमिका अदा करता था। समय रहते भारत को इस विषम स्थिति में बहुत सजग रहने की जरूरत है।

# साइकिल पर नर्मदा परिक्रमा: एक महिला की आत्म-खोज की कहानी

**पुणे, एजेंसी।** पुणे की रहने वाली ज्योति भक्त, आप और हम जैसी ही एक साधारण महिला जिन्होंने 23 साल नौकरी भी की और अपने घर को भी अच्छे से संभाला. जैसे-जैसे समय आगे बढ़ता गया, वह अपने कर्तव्यों को पूरा करके अपने जीवन में उम्र के उस पड़ाव पर पहुंची जहा उन्हे थोड़ा खालीपन महसूस होने लगा. पचास की उम्र के आसपास, जब उनके बेटे ने अपनी मास्टर डिग्री पूरी कर ली, तो ज्योति को नौकरी के चक्र से बाहर निकलने और यह पता लगाने की ज़रूरत महसूस हुई कि वह जीवन में क्या करना चाहती है। दिन-ब-दिन, आत्म-खोज की यह इच्छा प्रबल होती गई और बहुत सोचने के बाद, ज्योति ने 2017 में अपनी कॉर्पोरेट नौकरी छोड़ने का साहसिक निर्णय लिया. स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के बाद, ज्योति ने देश-विदेश में खूब यात्राएँ कीं। फिर भी, उन्हें ऐसा कुछ नहीं मिला जो उनके आनंद दे सके। उस समय, दुनिया मे कोविड का संकट मंडरा रहा था। लेकिन इस दौरान ज्योति को उसका सच्चा साथी मिल गया - एक साइकिल! कोविड काल में, उन्होंने घर पर ही व्यायाम शुरू किया। प्रतिबंधों में थोड़ी ढील मिलने के बाद, उन्होंने अपनी सहेली के साथ 16 किलोमीटर साइकिल चलाई। सायकलिंग करने के बाद, ज्योति के मन में विचार आया कि साइकिल से ही नर्मदा परिक्रमा करनी चाहिए।

## लेओ ड्रायफ्रूट्स ॲंड स्पायसेसका एच2 एफवाय25 में 346 प्रतिशत का शुद्ध लाभ वृद्धि

**मुंबई, एजेंसी।** लेओ कैटरिंग सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड जो उच्च गुणवत्ता वाले मसालों, सूखे मेवों और किराना उत्पादों की सोर्सिंग, प्रोसेसिंग, ट्रेडिंग और मार्केटिंग में एक भरोसेमंद नाम है, ने एच2 एफवाय25 और एफवाय25 के लिए अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। कंपनी के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर श्री कौशिक शाह ने कहा-एफवाय25 की दूसरी छमाही और पूरे वर्ष में हमारी जबरदस्त परफॉर्मेंस ऑपरेशनल एफिशिएंसी, नए ऑर्डर और हमारे मसालों व ड्रायफ्रूट्स की गुणवत्ता के कारण संभव हुई है। बीएसइ एसएमइ प्लेटफॉर्म पर हमारी सफल लिस्टिंग पारदर्शिता, सुशासन और दीर्घकालिक निवेशक मूल्य को दर्शाती है।

# हॉस्पिटल चलाने वाली फर्म से थी रोपवे चलाने की तैयारी?

### मामला हाईकोर्ट पहुंचा तो टेंडर ही रद्द हो गया

**नई दिल्ली, एजेंसी।** रोपवे चलाना टेक्निकल काम माना जाता है। इसमें जरा सी चूक जा जाए तो लोगों की जान का खतरा हो जाता है। लेकिन हरिद्वार के मनसा देवी रोपवे को चलाने के लिए ऐसे फर्मों या कंपनियों से निविदा मंगा ली गई, जो हॉस्पिटल चला रहे थे, सड़क और पुल बना रहे थे या कंस्ट्रक्शन सेक्टर में काम कर रहे थे। तभी तो सुरक्षा और पारदर्शिता संबंधी चिंताओं को लेकर उत्तराखंड हाई कोर्ट की तीखी आलोचना मिली। इसके बाद निविदा मंगाने वाले हरिद्वार नगर निगम ने मनसा देवी मंदिर के लिए अपने नवीनतम रोपवे टेंडर को ही रद्द कर दिया।

**फैसला आने से पहले ही टेंडर वापस-** इस मामले का फैसला कुछ ही दिन में आने वाला था। मंगलवार को इस पर नियमित सुनवाई हुई थी। इस सुनवाई में निगम के वकील संदीप कोठारी ने मुख्य न्यायाधीश जी नरेंद्र और न्यायमूर्ति आलोक माहरा की खंडपीठ को बताया कि टेंडर वापस ले लिया गया है।

क्यों मामला पहुंचा कोर्ट

विवाद बीते अप्रैल में तब शुरू हुआ जब नगर निगम ने 44 साल पुराने मनसा देवी रोपवे के संचालन और रखरखाव के लिए प्रस्ताव के लिए अनुरोध जारी किया। पहले की निविदाओं के विपरीत, इस बार रोपवे के क्षेत्र में अनुभव न रखने वाली सड़क और निर्माण फर्मों को भी बोली लगाने की अनुमति दी गई। इसने गंभीर चिंताएं पैदा कर दीं, विशेष रूप से उषा ब्रेको लिमिटेड की ओर से, जो वास्तविक रोपवे विशेषज्ञता वाली एकमात्र कंपनी है। मूल रूप से, निविदा प्रक्रिया रोपवे चलाने में अनुभव रखने वाली कंपनियों तक ही सीमित थी। लेकिन मार्च में, पात्रता मानदंड को चुपचाप बढ़ा दिया गया और इसमें राजमार्ग, पुल, सुरंग, दूरसंचार और यहां तक कि अस्पताल जैसे क्षेत्रों की फर्मों को भी शामिल कर लिया गया। चार शॉर्टलिस्ट किए गए बोलीदाताओं में से केवल एक उषा ब्रेको के पास वास्तव में रोपवे का अनुभव था। वह इस केबल कार की शुरूआत (1981) से ही इस परियोजना का प्रबंधन कर रही है।

### रोपवे क्या होता है

रोप वे में दो चीजें शामिल हैं, रोप और वे। रोप का मतलब होता है रस्सी, और वे का मतलब होता रास्ता। लोहे के मोटे-मोटे तारों या रस्सों पर फिट एक ट्रॉली में बैठकर लोग नीची जगह से ऊपर की तरफ जाते है। इसका संचालन बिजली से होता है। इसे ही आम आदमी की भाषा में रोपवे कहा जाता है। रोपवे की एक ट्रॉली में पर्याप्त जगह होती है। इसमें एक साथ 8-10 लोग आराम से बैठ सकते हैं। यह सुविधा अधिकतर उन मंदिरों में होती है जो बहुत ऊंचाई पर है। वहां पहुंचने के लिए वृद्ध और दिव्यांग श्रद्धालु इसकी मदद लेते हैं। क्योंकि वे सीढ़ियों से ऊपर नहीं जा सकते है। यह बिजली से चलती है और कई किलोमीटर के रास्ते को मात्र 2 से 5 मिनट में पूरा कर लेती है।

## टीवीएस अपाचे के दो दशकों का जश्न

**भविष्य के लिए डिज़ाइन की गई मोटरसाइकल ओबीडी2बी कम्प्लायन्ट है तथा आधुनिक टेक्नोलॉजी, शानदार परफोर्मेन्स एवं नए बोल्ड ग्राफिक्स का संयोजन है**

**बैंगलुरु , एजेंसी।** दोपहिया और तिपहिया सेगमेन्ट में ग्लोबल लीडर टीवीएस मोटर कंपनी ने 20 सालों की रेसिंग की धरोहर, इंजीनियरिंग की उत्कृष्टता एवं दुनिया भर में 6 मिलियन से अधिक राइडरों के भरोसे का जश्न मनाते हुए नई 2025 टीवीएस अपाचे आरटीआर 200 4वी का अनावरण किया। रेस के मैदान से उत्पन्न और सड़क के लिए निर्मित टीवीएस अपाचे मोटरसाइकलें रेसिंग में शानदार परफोर्मेन्स देती हैं। इन्हें खासतौर पर उन राइडरों के लिए डिज़ाइन किया गया है जो अपनी मोटरसाइकल से पावर, कंट्रोल और रिफाइनमेन्ट की उम्मीद रखते हैं। अपाचे सीरीज़ बेजोड़ विश्वसनीयता और रोमांच के साथ सेगमेन्ट में अग्रणी परफोर्मेन्स देना जारी रखे हुए है।

## कोर डिजिटल ने एफवाय25 में 212 प्रतिशत की आय वृद्धि दर्ज की

**मुंबई, एजेंसी।** कोर डिजिटल लिमिटेड जो दूरसंचार अवसंरचना विकास और संबंधित सहायक सेवाओं की प्रमुख प्रदाता कंपनियों में से एक है, ने क्यू4 एफवाय25 और एफवाय25 के लिए अपने ऑडिट किए गए वित्तीय परिणाम घोषित किए है। कोर डिजिटल लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री रविंद दोशी ने वित्तीय प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए कहा, हमें एफवाय25 में शानदार प्रदर्शन की रिपोर्ट करते हुए गर्व हो रहा है, जिसमें कुल आय में 200 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। यह हमारी निष्पादन क्षमता और रणनीतिक निर्णयों का सशक्त प्रमाण है। यह वृद्धि मुख्य रूप से समृद्ध महामार्ग परियोजना के सफलतापूर्वक प्रारंभ होने के कारण हुई है, जो सुचारू रूप से प्रगति कर रही है।. जैसे-जैसे हम अपने कार्यों का विस्तार कर रहे है, प्रतिष्ठित बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में मुख्य ठेकेदार के रूप में हमारी भूमिका और भी महत्वपूर्ण होती जा रही है। हमारे समेकित प्रदर्शन को हमारी सहायक कंपनियों के बढ़ते योगदान से भी मजबूती मिली है, जो अब अधिक मात्रा में व्यवसाय संभाल रही हैं। इस रणनीतिक बदलाव ने हमें विभिन्न इकाइयों के बीच कार्य निष्पादन को विविध रूप से वितरित करने की अनुमति दी है, जिससे संचालन में दक्षता और बाजार में व्यापक पहुंच प्राप्त हुई है।

## प्रिमियम प्लास्ट का शुद्ध मुनाफा 35 प्रतिशत बढ़ा

**मुंबई, एजेंसी।** प्रिमियम प्लास्ट लिमिटेड जो उच्च गुणवत्ता वाले, सटीक प्लास्टिक घटकों के लिए जाना जाता है और विभिन्न क्षेत्रों में सेवाएं देता है, ने एफवाय25 के लिए अपना लेखा-परीक्षित वित्तीय प्रदर्शन जारी किया है। कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री चेतन दवे ने कहा- हम एफवाय25 में 50 करोड़ का महत्वपूर्ण मील का पत्थर पार करने की घोषणा करते हुए गर्व महसूस कर रहे हैं। यह हमारी कोर बिज़नेस की ताकत और ग्राहकों के बढ़ते भरोसे को दर्शाता है।

### IFL एंटरप्राइजेज लिमिटेड को राइट्स इश्यू से 49.14 करोड़ रुपये जुटाने की मंजूरी मिली

# राइट इश्यू 19 जून से सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा

**मुंबई।** कृषि वस्तुओं के आयात, निर्यात और व्यापार सहित एग्री कोमोडिटी बिझनेस में लगी IFL एंटरप्राइजेज लिमिटेड (बीएसई - 540377) का 49.14 करोड़ रुपये का राइट्स इश्यू 19 जून, 2025 को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा और 30 जून, 2025 तक खुला रहेगा। राइट्स इश्यू की कीमत आकर्षक रूप से 1 रुपये प्रति शेयर रखी गई है, जो मौजूदा शेयरधारकों को कंपनी में अपनी इक्विटी बढ़ाने का अवसर प्रदान करती है। 9 जून 2025 को आयोजित बैठक में बोर्ड ओफ डिरेक्टर्स ने राइट्स इश्यू पर विचार किया और उसे मंजूरी दी।

इससे पहले, कंपनी के बोर्ड ओफ डिरेक्टर्स ने 30 दिसंबर, 2024 को और 07 मार्च, 2025 के ड्राफ्ट लेटर ऑफ ऑफर को 50 करोड़ रुपये (पचास करोड़ रुपये) तक के प्रस्तावित राइट इश्यू के लिए सैद्धांतिक अनुमोदन प्राप्त करने के लिए प्रस्तुत किया और बीएसई लिमिटेड से 19 मई, 2025 के लेटर नंबर ख्रद्ब/ऋद्बह्लद्ब/यस/ख्रद्बक213/2025-26 के माध्यम से सैद्धांतिक अनुमोदन प्राप्त हुआ। रिकॉर्ड तिथि - 13 जून, 2025 को इक्विटी शेयर रखने वाले शेयरधारक प्रत्येक 91 फुल्ली पेईड इक्विटी शेयरों के लिए 60 राइट इक्विटी शेयरों के अनुपात में राइट शेयरों के लिए आवेदन करने के पात्र होंगे। ऋश्चह्य के ऑन-मार्केट रेनुन्सिएशन की अंतिम तिथि 24 जून, 2025 है। राइट्स इश्यू में 1 रुपए अंकित मूल्य वाले 49,14,76,620 फुल्ली पेईड अप इक्विटी शेयर शामिल हैं, जिनकी कुल कीमत 49.14 करोड़ रुपए है।

इश्यू से प्राप्त राशि का उपयोग कंपनी की वित्तीय स्थिति को मजबूत करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों को पूरा करने के लिए किया जाएगा। यह केपिटल राईझ नवनियुक्त मेनेजिंग डिरेक्टर श्री अभिषेक प्रतापकुमार ठक्कर के नेतृत्व में कंपनी की रणनीतिक दिशा का अनुसरण करता है, जिसका उद्देश्य परिचालन दक्षता को बढ़ाना और सेवा क्षमताओं का विस्तार करना है।

# सिद्धू की शायरी, कपिल के पंच, और नेटफ़्लिक्स का स्टेज — कॉमेडी के राजा फिर लौट आए हैं!

**मुंबई।** तैयार हो जाइए – क्योंकि ठोको ताली की गूंज फिर से लौट आई है, और साथ ही लौट आए हैं नवजोत सिंह सिद्धू! द ग्रेट इंडियन कपिल शो का तीसरा सीज़न 21 जून से नेटफ़्लिक्स पर शुरू हो रहा है, और इस बार एक ऐसा ट्विस्ट है जिसकी किसी ने उम्मीद नहीं की थी – हंसी के असली बादशाह फिर से अपने तख्त पर लौट आए हैं, हंसी की रानी अर्चना पूरन सिंह के साथ! हां, आपने बिल्कुल सही पढ़ा। अब ये बना है डबल-जज कॉमेडी कोर्ट, और फैसला एकदम साफ है– डबल हंसी, डबल धमाल और यकीनन डबल ताली।नेटफ़्लिक्स और कपिल ने इस महीने की शुरुआत में वादा किया था कि हर फनीवार बढ़ेगा हमारा परिवार, और इस वादे को निभाते हुए, कॉमेडी परिवार को और बड़ा बना दिया गया है – क्योंकि अब सिद्धू पाजी भी इस परिवार का हिस्सा हैं। और सिर्फ इतना ही नहीं – इस बार फैंस सिर्फ ऑडियंस में नहीं रहेंगे, बल्कि स्टेज पर भी नजर आएंगे!

# रेनालिक्स ने दुनिया की पहली स्वदेशी एआई आधारित स्मार्ट हीमोडायलिसिस मशीन लॉन्च की

● किडनी केयर को बनाया सस्ता और सुलभ ● मजबूत विनिर्माण क्षमता हासिल करने के लिए अगले चार साल में 800 करोड़ रुपये का निवेश करेगी कंपनी

● एंड-स्टेज रेनल डिजीज (ईएसआरडी) मरीजों के लिए पूरे भारत में डायलिसिस को सुलभ बनाने का लक्ष्य



**मुंबई, एजेंसी।** किडनी (रेनल) केयर सेक्टर की देश की अग्रणी प्रौद्योगिकीय नवाचार (टेक्नोलॉजी इनोवेशन) कंपनी रेनालिक्स हेल्थ सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड ने दुनिया की पहली पूरी तरह से स्वदेशी, एआई आधारित और क्लाउड सक्षम हीमोडायलिसिस मशीन रेनालिक्स - आरएक्सटी 21 (ऋञ्ञ 21) लॉन्च की है. इस मशीन के जरिए कहीं से रियल टाइम मॉनिटरिंग हो सकती है. इसके साथ ही यह क्लीनिकल कनेक्टिविटी जैसी सुविधाओं से भी लैस है. 6.70 लाख रुपये की शुरुआती कीमत के साथ आयातित मशीनों की तुलना में काफी कम मूल्य पर उपलब्ध रेनालिक्स - आरएक्सटी 21 डायलिसिस सुविधा को बड़ी आबादी के लिए किफायती और सुलभ बनाने के साथ-साथ शहरी, अर्ध-शहरी (सेमी-अर्बन) और ग्रामीण इलाकों में मांग और आपूर्ति के बीच के अंतर को पाट देगी.

पूरी तरह से भारत में डिजाइन की गई और विनिर्मित रेनालिक्स - आरएक्सटी 21 किडनी के मरीजों, एंड-स्टेज रेनल डिजीज (ईएसआरडी) मरीजों और खासकर दिल (हार्ट), फेफड़ों और किडनी में गंभीर चोट से जुड़ी जटिलताओं वाले मरीजों को सुरक्षा और गुणवत्तापूर्ण देखभाल (क्वालिटी केयर) उपलब्ध कराने के लिए क्लाउड-आधारित टेलीनेफ्रोलॉजी प्लेटफॉर्म सहित अन्य नवीनतम प्रौद्योगिकी (लेटेस्ट टेक्नोलॉजीज) का इस्तेमाल करती है. रेनालिक्स - आरएक्सटी 21 ने रेनालिक्स को यूरोपीय यूनियन (ईयू) सीई सर्टिफिकेशन वाली एडवांस्ड डायलिसिस मशीन बनाने वाली दुनिया की छठी और भारत की पहली कंपनी बना दिया है.

रेनालिक्स ने 2025-26 तक 5,000 मशीन की विनिर्माण क्षमता हासिल करने के लिए अगले चार साल में 800 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना बनाई है. इसके साथ ही कंपनी वित्त वर्ष 2027-28 तक 1500 मशीनों की अतिरिक्त क्षमता विकसित करेगी. इसके अतिरिक्त कंपनी की भारत में ही कंज्यूमेबल्स के विनिर्माण की भी योजना है. कंपनी की विस्तार योजनाओं को सपोर्ट करने और बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए कंपनी की कर्नाटक के बेंगलुरु और मैसूर तथा महाराष्ट्र के मुंबई में विनिर्माण इकाइयां (मैन्यूफैक्चरिंग फैसिलिटीज) हैं.

## शेरा एनर्जी ने ज़ाम्बिया की कॉपर सुविधा के साथ वैश्विक एकीकरण को और गहराया

**मुंबई, एजेंसी।** शेरा एनर्जी लिमिटेड जो गैर-लौह धातुओं से बने वाइंडिंग वायर और स्ट्रिप्स की एक प्रमुख निर्माता कंपनी है, ने अपनी अंतरराष्ट्रीय विकास रणनीति में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि की घोषणा की है। कंपनी ने ज़ाम्बिया में एक चालू कॉपर कैथोड निर्माण संयंत्र का अधिग्रहण किया है। यह अधिग्रहण इसकी विदेशी सामग्री सहायक कंपनी शेरा ज़ाम्बिया लिमिटेड के माध्यम से किया गया है और यह शेरा की दीर्घकालिक रणनीति में एक बड़ा कदम है, जिसका उद्देश्य कच्चे माल की सुनिश्चित आपूर्ति और वैश्विक उपस्थिति का विस्तार करना है। यह संयंत्र ज़ाम्बिया के संसाधनों से समृद्ध कॉपरबेल्ट क्षेत्र में, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो की सीमा के पास स्थित है। संयंत्र स्थानीय रूप से प्राप्त तांबे की ऑक्साइड अयस्क से 99.99 प्रतिशत शुद्ध कॉपर कैथोड का उत्पादन करेगा, जिससे कंपनी को खरीद लागत को काफी हद तक कम करने और परिचालन दक्षता को बढ़ाने में मदद मिलेगी। वित्त वर्ष 2025-26 में संयंत्र की प्रारंभिक उत्पादन क्षमता 1,200 मीट्रिक टन प्रति वर्ष होगी, जिसे अगले वर्षों में बढ़ाकर 5,000 मीट्रिक टन करने की योजना है। यह पहल शेरा की बैकवर्ड इंटीग्रेशन (पिछड़ा एकीकरण) की व्यापक रणनीति और कमोडिटी कीमतों में उतार-चढ़ाव से व्यवसाय को सुरक्षित रखने की योजना के अनुरूप है। इस विकास पर टिप्पणी करते हुए, नसीम शेख, चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, शेरा एनर्जी लिमिटेड ने कहा यह रणनीतिक अधिग्रहण हमारे अंतरराष्ट्रीय सफर में एक बड़ा मील का पत्थर है। उच्च-शुद्धता कॉपर कैथोड का प्रत्यक्ष स्रोत स्थापित करके, हम न केवल अपनी आपूर्ति श्रृंखला को सुदृढ़ करते है।

## पुलिस ने बड़े नकली कीटनाशक रैकेट का भंडाफोड़ किया

**छिंदवाड़ा।** तेलंगाना पुलिस ने एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए राजेंद्र चेचानी को गिरफ्तार किया है – जिसे राजू चेचानी के नाम से भी जाना जाता है, जो बड़े पैमाने पर नकली कीटनाशकों के रैकेट के मुख्य आरोपियों में से एक है। पुलिस ने स्थानीय पुलिस अधिकारियों के साथ समन्वित अभियान के दौरान 2 मई 2025 को राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले के बस्सी गांव स्थित उसके फार्महाउस से उसे गिरफ्तार किया। यह गिरफ्तारी भारत के कृषि क्षेत्र में नकली कीटनाशकों के बढ़ते खतरे को उजागर करती है, जहाँ भोले-भाले किसानों को अक्सर ऐसे उल्लंघनकर्ताओं द्वारा नकली उत्पादों के साथ धोखा दिया जाता है।

## शुरू हो रहा है अल्ट्रा का नया अध्याय

**गुरुग्राम, एजेंसी।** सैमसंग वर्षों से अपने यूजर्स की बात सुनता आया है और हमेशा उनकी उम्मीदों से आगे बढ़ने का वादा करता रहा है। आज की डिजिटल दुनिया में लोग चाहते हैं – बड़ी स्क्रीन, शानदार कैमरा और ऐसे स्मार्ट फीचर्स जो उनकी रचनात्मकता को नई उड़ान दें। इसी वादे को पूरा करते हुए सैमसंग लेकर आया है नया अल्ट्रा अनुभव – जो पोर्टेबिलिटी के साथ दमदार परफॉर्मेंस, शानदार कैमरा और स्मार्ट कनेक्टिविटी का बेहतरीन मेल है। गैलेक्सी का यह नया अध्याय तकनीक और कला को इस तरह जोड़ता है, जो रोज़मर्रा की ज़िंदगी को पहले से कहीं बेहतर बना देता है। भीड़भाड़ वाले मेट्रो स्टेशन से लेकर पूरे दिन की व्यस्त दिनचर्या तक – नया गैलेक्सी डिवाइस हर पल को स्मार्ट और आसान बनाता है। इसे हाथ में लेकर वॉयस कमांड से एआई की मदद लें, परफेक्ट रेस्टोरेंट ढूंढें और अपने डाइनिंग पार्टनर को तुरंत मैसेज भेजें। रास्ते में अधूरा ईमेल पूरा करें और फिर हाई-क्वालिटी कैमरे से उन पलों को तस्वीरों में कैद करें जो यादगार बन जाएं। एआई-पावर्ड टूल्स की मदद से आप दिनभर मैसेजिंग, ब्राउज़िंग और गेमिंग का मज़ा ले सकते हैं, वो भी बिना किसी बोझ या रुकावट के।

# द वेल्थ कंपनी ने भारत की रियल एस्टेट क्षमता को भुनाने के लिए लॉन्च किया 2000 करोड़ का भारत भूमि फंड

**मुंबई , एजेंसी।** पैंटोमैथ ग्रुप की अंग, द वेल्थ कंपनी एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने अपनी पांचवीं भारत वैल्यू फंड सीरीज़ के तहत भारत भूमि फंड लॉन्च किया है, जो - 1000 करोड़ का कैटेगरी-2 एआईएफ है और इसमें 1000 करोड़ का ग्रीन शू ऑप्शन है। यह फंड भारत के वृद्धि दर्ज करते रियल एस्टेट सेक्टर में प्राइवेट इक्विटी-शैली की कठोरता लाता है, जिसमें उच्च अवसर वाले कॉरिडोर और मुख्य शहरों में निष्पादन के लिए तैयार परियोजनाओं पर केंद्रित दृष्टिकोण है।

भारत भूमि फंड, द वेल्थ कंपनी के निवेश क्षितिज का विस्तार है और यह उसी मूल्य-संचालित दर्शन पर आधारित है जो इसके बाकी दृष्टिकोण को परिभाषित करता है। भारत वैल्यू फंड सीरीज़ की मज़बूत नींव और विश्वसनीयता को आगे बढ़ाते हुए - सॉवरेन फंड ऑफ फंड्स और प्रमुख फैमिली ऑफिस जैसे गुणवत्ता वाले निवेशकों द्वारा विश्वसनीय और समर्थित यह फंड रियल एसेट में निवेश को व्यापक बनाने का स्वाभाविक तरीका प्रदान करता है। दृश्यता (विज़िबिलिटी) और संपार्श्विक (कोलैटरल) समर्थन प्रदान करते हुए, रियल एस्टेट इक्विटी और निजी बाज़ार निवेश के साथ-साथ लचीला आधार बनाता है - बाज़ार चक्रों में स्थायी मूल्य प्रदर्शित करता है। द वेल्थ कंपनी के लिए, रियल एस्टेट कोई नई दिशा नहीं है, यह पोर्टफोलियो में विविधता लाने की आवश्यकता के साथ जुड़ी एक स्वाभाविक प्रगति है।

## मध्यप्रदेश में भरोसेमंद बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए तात्कालिक ढांचागत सुधार जरूरी

**भोपाल।** मध्यप्रदेश नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। एनटीपीसी लिमिटेड ने राज्य में सौर, पवन और हाइब्रिड परियोजनाओं सहित 20 गीगावॉट ग्रीन एनर्जी क्षमता विकसित करने के लिए 2 लाख करोड़ से अधिक का निवेश करने का संकल्प लिया है। इसके अतिरिक्त, राज्य की नवीकरणीय ऊर्जा नीति 2025 का लक्ष्य है कि वर्ष 2030 तक राज्य की 50न बिजली आवश्यकताएं नवीकरणीय स्रोतों से पूरी की जाएं, जिसके लिए 2027 तक 50,000 करोड़ का निवेश आकर्षित करने की योजना है। हालांकि, उत्पादन के मोर्चे पर हुई ये प्रगति आम उपभोक्ताओं के लिए भरोसेमंद बिजली आपूर्ति में तब्दील नहीं हो पाई है। साल भर, विशेषकर गर्मियों के मौसम में, निर्धारित रखरखाव कार्य या उपकरणों की खराबी के कारण बार-बार बिजली कटौती आम बात है। पिछले महीने भोपाल के लगभग 25 इलाकों में 1 से 6 घंटे तक बिजली आपूर्ति ठप रही, जिसका कारण क्षेत्र में चल रहे रखरखाव कार्य बताया गया। बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता और भरोसेमंद वितरण को कमजोर करने वाला एक प्रमुख कारण डिस्ट्रिब्यूशन ट्रांसफॉर्मर्स (डीटी) की बार-बार खराबी है।

# निष्क को मिला डायमंड्स डु गुड अवार्ड

### देश्य-आधारित अनुकरणीय नेतृत्व का सम्मान

**मुंबई, एजेंसी।** टाटा परिवार के अग्रणी ज्वेलरी ब्रांड, तनिष्क और मिआ बाए तनिष्क को डायमंड्स डु गुड पर्पज़-ड्रिवन बिजनेस लीडरशिप अवार्ड से पुरस्कृत किया गया है। लास वेगस में संपन्न हुए प्रतिष्ठित डायमंड्स डु गुड अवार्ड्स 2025 समारोह में यह पुरस्कार दिया गया। टाइटन कंपनी लिमिटेड के ज्वेलरी डिवीज़न के सीईओ, श्री अजॉय चावला ने तनिष्क और मिआ बाए तनिष्क की ओर से पुरस्कार स्वीकार किया। प्राकृतिक हीरों के उद्यम के मूल में नैतिकता, सस्टेनेबिलिटी और समाज की उन्नति को दृढ़ता से जोड़ने में इन ब्रांडों के नेतृत्व का सम्मान इस पुरस्कार में किया गया है।




डायमंड्स डू गुड फाउंडेशन द्वारा दिया जाने वाला, यह नामचीन पुरस्कार नैतिक सोर्सिंग, समाज की उन्नति और शिक्षा के माध्यम से प्राकृतिक हीरा उद्योग में सार्थक बदलाव लाने वाले वैश्विक नेताओं का सम्मान करता है। यह पुरस्कार तनिष्क और मिआ को न केवल आभूषण ब्रांड के रूप में, बल्कि भारत और विश्व स्तर पर ज़िम्मेदारी का ध्यान रखते हुए लक्ज़री के चैंपियन के रूप में भी सुर्खियों में लाता है।

## सिग्निफाई ने अपने हर गांव रोशन सीएसआर पहल के तहत आंध्र प्रदेश में लगभग 78,000 से ज़्यादा लोगों की ज़िंदगी को रोशन किया

**मुंबई, एजेंसी।** दुनिया की मशहूर लाइटिंग कंपनी सिग्निफाई ने ब्रिदर लाइफ बेटर वर्ल्ड विज़न के अनुरूप, आंध्र प्रदेश के पर्वतिपुरम मन्यम ज़िले के लगभग 230 गांवों को अपने प्रमुख हर गांव रोशन सीएसआर प्रोजेक्ट के तहत रोशन किया है। इस पहल से कुल 17,766 परिवारों को सस्टेनेबल लाइटिंग मिली है, जिससे पूरे इलाके में 78,200 से ज़्यादा लोगों की ज़िंदगी खुशहाल हुई है।

इस प्रोजेक्ट के आधिकारिक उद्घाटन समारोह में श्याम प्रसाद, आईएएस (जिला कलेक्टर, पर्वतिपुरम मन्यम), शामिल हुए साथ ही सिग्निफाई के सीनियर अधिकारी और उनके साझेदार संगठन जन कल्याण समिति के लोग भी मौजूद थे। इस प्रोजेक्ट को ज़मीनी स्तर की संस्था जन कल्याण समिति के साथ मिलकर लागू किया गया। इसमें गांव के लोगों की भागीदारी से यह तय किया गया कि लाइटें सही जगह लगें और उनकी ठीक से देखभाल हो। गांव के कुछ लोगों को लाइट सिस्टम की बेसिक मरम्मत की ट्रेनिंग भी दी गई, ताकि यह काम लंबे समय तक टिकाऊ और असरदार बना रहे।

निखिल गुप्ता, हेड ऑफ मार्केटिंग, स्ट्रैटेजी, गवर्नमेंट अफेयर्स और सीएसआर - सिग्निफाई, ग्रेटर इंडिया ने बताया कि, भरोसेमंद रोशनी तक पहुंच विकास की बुनियाद है।

## वे एक करोड़ दे रहे हैं, मैं दो करोड़ देती हूं... मुझे मेरे पिता लौटा दो

-विमान हादसे में अपने पिता को खो चुकी बेटी का दर्द

अहमदाबाद (एजेंसी)। आप एक करोड़ देना चाहते हो, मैं आपको दो करोड़ दूंगी, बस मेरे पापा वापस कर दो...ये शब्द हैं विमान हादसे में अपने पिता को खो चुकी बेटी फाल्गुनी के है। फाल्गुनी ने जब ये कहा वहां मौजूद हर इंसान की आंख नम हो गई। उसकी आवाज में क्रोध था, लाचारी थी, लेकिन सबसे अधिक था बेटी का अपने पिता के प्रति प्रेम। फाल्गुनी सवाल पूछती हैं, कोई बता दें कि मेरे पापा की क्या गलती थी जो फ्लाइट में बैठे थे। मैं बेटी हूं, मुझे मेरे पापा वापस ला कर दो। एअर इंडिया क्या मजाक बना कर बैठी है, कोई जवाब नहीं, कोई संवेदना नहीं। रोते हुए गुस्से में फाल्गुनी ने कहा कि वे एक करोड़ देने की बात कर रहे हैं, मैं दो करोड़ दूंगी, लेकिन बदले में मेरे पापा वापस ला दो। क्या पैसे से इंसान खरीदे जा सकते हैं? फाल्गुनी कहती है कि मेरे पिता एक देशभक्त थे। वे खुद को एअर इंडिया का गौरवशाली यात्री मानते थे। वे अक्सर कहते थे, एअर इंडिया हमारा गर्व है, ये देश की शान है। फाल्गुनी कहती हैं कि बंद कर दो एअर इंडिया अगर आप सुरक्षित उड़ान नहीं भरवा सकते। ये कोई मजाक नहीं है।

## पठानकोट एयरबेस से उड़ान भरते ही अपाचे हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग

पठानकोट (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना के एम17 अपाचे हेलीकॉप्टर की शुक्रवार को पठानकोट के नंगलपुर इलाके में इमरजेंसी लैंडिंग हुई। माना जा रहा है कि तकनीकी खराबी के कारण एहतियातन लैंडिंग कराई गई। इसमें किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। अपाचे हेलीकॉप्टर ने पठानकोट एयरबेस से उड़ान भरी थी। पुलिस ने कहा कि पठानकोट वायुसेना स्टेशन से उड़ान भरने वाले हेलीकॉप्टर को तकनीकी दिक्कतों के बाद खुले मैदान में उतरना पड़ा। हेलीकॉप्टर को उतरते देख ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए, लेकिन सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत इलाके की घेराबंदी कर दी। अभी तक भारतीय वायुसेना की ओर से आपातकालीन लैंडिंग के कारणों के बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है। मौके पर मौजूद वरिष्ठ अधिकारियों ने ऑपरेशनल और सिक्योरिटी प्रोटोकॉल का हवाला देते हुए टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि सार्वजनिक सुरक्षा या बुनियादी ढांचे को कोई खतरा नहीं है। इससे पहले 6 जून को भी इंडियन एयरफोर्स के एक अपाचे हेलीकॉप्टर की उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में इमरजेंसी लैंडिंग हुई थी। भारतीय वायुसेना के अधिकारियों ने बताया था कि एक नियमित प्रशिक्षण उड़ान के दौरान अपाचे हेलीकॉप्टर ने सहारनपुर के पास एहतियातन लैंडिंग की। कुछ घंटे बाद एयरफोर्स के टेक्नीशियन की मदद से हेलीकॉप्टर को सहारनपुर एयरबेस पर वापस लाया गया।

## दुखी होकर बोले अभिनेता अनुपम खेर- ये हादसा सिर्फ खबर नहीं, दुखों का पहाड़ है

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेता अनुपम खेर ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया और कहा कि वह हादसे से प्रभावित हुए परिवारों के साथ खड़े हैं। वीडियो में अनुपम कहते हैं, अहमदाबाद में हुआ विमान हादसा सिर्फ एक समाचार नहीं, बल्कि यह दुख का पहाड़ है, जो न जाने कितने घरों पर टूट पड़ा है। वह विमान सिर्फ चलती हुई एक मशीन नहीं थी, वह एक उम्मीद थी, जिसमें बैठे थे हमारे अपने, कोई भारत से था, कोई विदेश से था, कोई किसी की मां थी, कोई बेटे के पास लौट रहा था, तो कोई नौकरी के सफर में था। कोई छुट्टी मनाकर वापस घर जा रहा था, लेकिन किसी को भी क्या पता था कि यह यात्रा उनकी अंतिम यात्रा बन जाएगी। अनुपम खेर वीडियो में आगे कहते हैं, मन बेचैन है, दिल मौन है और आंखें नम हैं। हम सब उन परिवारों के साथ हैं, जो आज अपनों को खो बैठे हैं। मेरी ईश्वर से प्रार्थना है कि जो लोग इस हादसे में दिवंगत हुए उनकी आत्मा को शांति मिले और जो लोग इस समय पीड़ा में हैं, उन्हें धैर्य, साहस और सहारा दे। उन्होंने आगे कहा, आज न तो भाषा काम आ रही है, और न ही कोई तर्क, बस एक बात कहनी है, हम आपके साथ हैं। पूरी इंसानियत आपके साथ है। और हमारा देश हर पीड़ित परिवार को नमन करता है। ओम शांति, नमन और श्रद्धांजलि। इस वीडियो को शेयर करते हुए अनुपम ने कैप्शन में लिखा- अहमदाबाद विमान दुर्घटना- श्रद्धांजलि! ओम शांति!

## दिव्यांग लड़की से दुष्कर्म के आरोप में आईआईटी का छात्र गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे में एक 13 साल लड़की के साथ दुष्कर्म के आरोप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) खड़गपुर के छात्र को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि गुरुवार को लड़की की मां की शिकायत के आधार पर 23 साल के आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ पॉक्सो के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि कलवा इलाके में रहने वाले आरोपी ने नाबालिग दिव्यांग लड़की को नए कपड़े दिलाकर और बहला-फुसलाकर उसका यौन शोषण किया। अधिकारी ने बताया कि जांच दल ने आरोपी के मोबाइल फोन से यौन उत्पीड़न का एक वीडियो बरामद किया है, जिसमें अन्य लड़कियों के आपत्तिजनक वीडियो और तस्वीरें भी हैं। उन्होंने बताया कि शक है कि आरोपी ने पहले भी और महिलाओं को अपनी हवस का निशाना बनाया होगा। उन्होंने बताया कि जांच जारी है।

## दरभंगा में बेखौफ अपराधियों ने दुकान में घुसकर ज्वेलर्स को गोली मार दी

दरभंगा (एजेंसी)। बिहार के दरभंगा में बेखौफ अपराधियों ने दुकान में घुसकर ज्वेलर्स को गोली मार दी। लॉकर की चाबी देने से मना करने पर गोली मार दी। बुलेट चेहरे को छूते हुए निकल गई। आनन-फानन में परिजनों ने घायल को प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया।

# पैनलिस्ट के बयान पर एंकर को क्यों गिरफ्तार किया गया?

## सुप्रीम कोर्ट ने तेलुगु पत्रकार को जमानत देते हुए पुलिस से किया सवाल

**नई दिल्ली(एजेंसी)।** सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को तेलुगु पत्रकार कोमिनेनी श्रीनिवास राव को ज़मानत दे दी, जिन्हें आंध्र प्रदेश पुलिस ने अमरावती क्षेत्र की महिलाओं के बारे में कथित अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में गिरफ़्तार किया था। ये टिप्पणियाँ इस महीने की शुरुआत में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के प्रमुख जगन मोहन रेड्डी के स्वामित्व वाले क्षेत्रीय समाचार चैनल साक्षी टीवी पर उनके डिबेट शो के दौरान की गई थीं।

न्यायालय ने राव द्वारा उनकी गिरफ़्तारी को चुनौती देने वाली याचिका के जवाब में यह आदेश पारित किया। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति मनमोहन की एक आंशिक कार्य दिवस पीठ ने निर्देश दिया कि 70 वर्षीय पत्रकार, जिन्हें 9 जून को हिरासत में लिया गया था, को रिहा किया जाए। न्यायालय ने कहा कि यह राव नहीं थे, बल्कि कार्यक्रम के एक पैनलिस्ट ने विवादास्पद टिप्पणी की थी। याचिकाकर्ता ने खुद लाइव टीवी शो में बयान नहीं दिया और उसके पत्रकारिता अधिकारों की रक्षा की जानी चाहिए ताकि उसकी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता भी सुरक्षित रहे। पीठ ने कहा, 'हम निर्देश देते हैं कि याचिकाकर्ता को ट्रायल कोर्ट द्वारा लगाई गई शर्तों के अधीन एफआईआर में रिहा किया जाए।' पीठ ने राव को निर्देश दिया कि वह अपने शो में कोई अपमानजनक बयान न दें और न ही भविष्य के प्रसारणों में किसी अतिथि को ऐसा करने दें।

आंध्र प्रदेश सरकार की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए पीठ ने राव के पत्रकारिता अधिकारों को बरकरार रखने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के उनके मौलिक अधिकार की रक्षा करने की आवश्यकता पर बल दिया। 6 जून को साक्षी टीवी पर लाइव प्रसारित ये टिप्पणियां कथित तौर पर पत्रकार वीवी कृष्णम राजू द्वारा की गई थीं, जिन्होंने अमरावती क्षेत्र को कथित तौर पर 'वेश्याओं की राजधानी'

कहा था। आंध्र प्रदेश पुलिस ने 9 जून को राजू और राव के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के कई प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया।

## भारत में कोरोना को लेकर अच्छी खबर... सक्रिय मामलों में गिरावट आई

**नई दिल्ली।** भारत को कोविड-19 महामारी से जूझते हुए एक अहम और सकारात्मक मोड़ मिला है। लंबे समय से संक्रमण के बढ़ते आंकड़ों के बीच पहली बार राहत की खबर आई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा 13 जून को जारी आंकड़ों के मुताबिक, देश में कोविड के सक्रिय मामलों में गिरावट आई है। बीते 24 घंटे में जहां कुल 200 नए मामले सामने आए, वहीं 223 मरीज स्वस्थ होकर अस्पताल से घर पहुंचे है। इससे भारत में सक्रिय मामलों की कुल संख्या घटकर 7131 हो गई है, जो एक सकारात्मक संकेत है। इससे पहले 12 जून को यह आंकड़ा 7154 था। राज्यवार आंकड़ों के हिसाब से गुजरात में सबसे अधिक 77 नए मामले सामने आए हैं। इसके बाद राजस्थान में 32, उत्तर प्रदेश में 24, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में 14-14, असम में 7, हरियाणा और झारखंड में 5-5, पुडुचेरी में 4, लद्दाख में 3, और ओडिशा में 1 मामला दर्ज हुआ है। हालांकि, कोरोना संक्रमण से होने वाली मौतों की संख्या अब भी चिंता का विषय बनी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, अब तक नए वैरिएंट से 78 मौतें हुई हैं। बीते 24 घंटे में केरल में 82 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हुई है। इससे पहले के दिन 3 लोगों की जान गई थी, जिसमें से महाराष्ट्र में 2, मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल में 1-1 मौत हुई। अब तक सबसे अधिक मौतें महाराष्ट्र (21) और केरल (20) में दर्ज की गई हैं, जो दर्शाता है कि नए वैरिएंट का असर कुछ खास क्षेत्रों में अधिक है।

## सरकारी नियंत्रण से मुक्त हों हमारे सारे हिंदू मंदिर एवं तीर्थ स्थल

-कथावचक देवकीनंदन ठाकुर महाराज की मांग

**वृंदावन (एजेंसी)।** बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर व न्यास गठन पर कथावचक देवकीनंदन ठाकुर महाराज ने कहा है कि वे शुरू से ही मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने की मांग करते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि सनातन बोर्ड बनाकर हिंदू मंदिर एवं तीर्थ स्थलों की व्यवस्था स्थानीय सनातनी भावनाओं के अनुरूप करनी चाहिए। वृंदावन में कांक्रीट का गलियारा न बने, बल्कि स्थानीय लोगों के सहयोग से तुलसी, लता-पता, वृक्षों से सजा मार्ग बने, जिसमें प्रवेश करते समय वास्तविक करोड़ों ठाकुरजी और लाड़ली जू के भक्तों को वृंदावन का आभास हो।

गंगोत्री धाम में भागवत कथा कह रहे देवकीनंदन ने कहा है कि बांके बिहारी मंदिर की परंपरागत सेवा-पूजा एवं व्यवस्था में बदलाव नहीं होना चाहिए। मुख्य मार्ग चौड़े होने चाहिए, लेकिन वृंदावन का सही मायने में विकास तभी माना जा सकता है, जब निर्मल यमुना की जलधारा आने लगे। स्वच्छ यमुनाजल से ठाकुरजी को स्नान कराकर सेवा पूजा की जा सके। ब्रज-वृंदावन मांस और मदिरा से मुक्त हो जाए। कथा के दौरान उन्होंने कहा कि तिरुपति मंदिर दूषित प्रसाद मामले के बाद से वह 'सनातन बोर्ड' की मांग इसलिए करते आ रहे हैं कि मंदिरों की पूजा पद्धिति एवं संस्कृति बची रहे।

देवकीनंदन ने कहा कि नमाज पढ़ने के लिए सरकार और प्रशासन सड़क पर भी व्यवस्था करवा देते हैं, इसके लिये ट्रैफिक को कंट्रोल कर डायवर्ट तक कर दिया जाता है। फिर बांकें बिहारी जैसे मंदिरों में दर्शन को आने वाले यात्रियों के लिये उचित व्यवस्थाएं क्यों नहीं बना सकते है। उन्होंने कहा कि भगवान के दर्शन को पैदल चलकर जाने का शास्त्रीय विधान है। मंदिर से कुछ किलोमीटर दूर वाहन रोककर पैदल जाना चाहिये।

# वोट बैंक को खुश करने में जुटी ममता, प्रस्ताव में ऑपरेशन सिंदूर का ज़िक्र नहीं

### बीजेपी नेता सुवेंदु अधिकारी सरकार पर हमलावर

**कोलकत्ता(एजेंसी)।** पश्चिम बंगाल विधानसभा में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार द्वारा 10 जून 2025 को प्रस्ताव लाया गया। ममता सरकार का मुख्य मकसद पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को हुए आतंकी हमले की निंदा और भारतीय सेना के शौर्य की प्रशंसा करने था। लेकिन जहां भारतीय सेना के शौर्य की तारीफ होनी थी, वहां पाकिस्तान की तारीफ होने लगी। ममता सरकार के प्रस्ताव के साथ ही राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी बीजेपी ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। भारतीय जनता पार्टी ने ममता सरकार के प्रस्ताव की तीखी आलोचना की है।

बंगाल विधानसभा में रखे गए प्रस्ताव में जो प्रमुख बिंदु शामिल किए गए वे इस प्रकार के थे। प्रस्ताव में पहलगाम के बैसरन घाटी में हुए आतंकी हमले को क्रूर और अमानवीय करार दिया गया, जिसमें 26 लोग मारे गए, जिसमें से तीन पश्चिम बंगाल के थे।

इस प्रस्ताव में भारतीय सशस्त्र बलों की विभिन्न शाखाओं के समन्वित प्रयासों की प्रशंसा की गई, जिन्होंने पाकिस्तान और

पाकिस्तान-अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकी ढांचों को सटीकता के साथ नष्ट कर राष्ट्र की गरिमा की रक्षा की गई। लेकिन ममता सरकार के प्रस्ताव में स्पष्ट रूप से पाकिस्तान को हमले का जिम्मेदार नहीं ठहराया गया, बल्कि इस केवल अमानवीय हमला कहा गया। यह भारत सरकार के रुख के विपरीत है, जो हमले को लश्कर-ए-तैयबा जैसे पाकिस्तान-आधारित आतंकी संगठनों से जोड़ता है। सबसे अहम बात ये है प्रस्ताव में भारत की जवाबी कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर का कोई जिक्र नहीं था। दरअसल बीजेपी के दर्द का असली कारण यही है।

ममता सरकार के इस कृत्य के पीछे कहीं न कहीं राजनीतिक मंशा ही रही होगी, इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है। बीजेपी विधायकों, विशेषकर विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी और विधायक अग्निमित्रा पॉल, ने प्रस्ताव की कमियों पर सवाल उठाए हैं। अधिकारी ने पूछा कि प्रस्ताव में ऑपरेशन सिंदूर का ज़िक्र क्यों नहीं किया गया, जो भारत की आतंकवाद विरोधी नीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था।

बीजेपी ने टीएमसी पर आरोप लगाया कि वह वोट बैंक की राजनीति के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराने से बच रही है। बीजेपी नेता पॉल ने कहा कि ममता बनर्जी ने 33 प्रतिशत मुस्लिम वोट बैंक को खुश करने के लिए जानबूझकर ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र नहीं किया।

दरअसल बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ममता बनर्जी के नेतृत्व में टीएमसी 3 बार से लगातार सरकार बना रही है। दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी ने भी राज्य में बहुत तेजी से अपनी पैठ बनाई है। इस बार बीजेपी भी अपनी पूरी शक्ति से पश्चिम बंगाल में लगी हुई है। जाहिर है कि ममता बनर्जी के लिए बहुत बड़ा चैलेंज है चौथी बार सत्ता में आना।

# शादी के पहले ही रची थी राजा की हत्या की साजिश, बुर्का पहनकर फरार हुई थी सोनम

**शिलॉन्ग (एजेंसी)।** इंदौर के राजा रघुवंशी की हत्या का मास्टरमाइंड राज कुशवाह है जो सोनम का प्रेमी है। उसने राजा और सोनम की शादी के 11 दिन पहले ही हत्या की साजिश रच ली थी। यह खुलासा मेघालय पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने किया है। शिलॉन्ग एसपी ने बताया कि तीन आरोपी विशाल चौहान, आकाश राजपूत और आनंद कुर्मी 19 मई को ही शिलॉन्ग पहुंच गए थे। राजा की हत्या के बाद सोनम 25 मई को इंदौर पहुंची। यहां वह 7 जून तक रही। इसके बाद राज के साथ ही गाजीपुर गई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मेघालय पुलिस राजा की हत्या के पांचों आरोपियों से शुक्रवार को भी पूछताछ कर रही है। शिलॉन्ग के सदर थाने के लॉकअप में बंद आरोपियों की आपसी बातचीत पर पुलिसकर्मी नजर रख हुए हैं। हालांकि ये लोग ज्यादातर समय खामोश ही रहते हैं। सूत्रों के मुताबिक सोनम समेत सभी आरोपियों ने पुलिस से उत्तर भारतीय भोजन की मांग की। पुलिस ने उन्हें खाना मंगाकर दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शिलॉन्ग पुलिस ने खुलासा किया कि आरोपियों ने एक महिला की भी हत्या की प्लानिंग की थी। राजा

की हत्या के बाद उस महिला को मारकर वहीं स्कूटी के साथ जलाने या नदी में बहाने की योजना थी, ताकि वे दिखा सकें कि सोनम भी मर चुकी है। यह भी पता चला है कि हत्या के लिए राज कुशवाह ने जो योजना बनाई थी, उसमें इंदौर से आरोपियों को मोबाइल और 50 हजार रुपए के साथ सोनम के लिए काले रंग का बुर्का भी खरीद कर दिया था। यह बुर्का विशाल उसके लिए शिलॉन्ग ले गया था। एक्टिवा छोड़ने के बाद सोनम इसी बुर्के में टैक्सी में बैठकर सिलीगुड़ी भागी थी।

मेघालय की डीजीपी ने कहा कि राजा रघुवंशी और उनकी पत्नी सोनम ने लापता होने से पहले अपना सूटकेस सोहरा के एक होम स्टे में छोड़ दिया था। उसमें मिले मंगलसूत्र और अंगूठी ने केस को सुलझाने में मदद की। एक विवाहिता का गहने छोड़ना हमें सँदिग्ध लगा। इस हत्याकांड की साजिश इंदौर में रची गई इसलिए मेघालय पुलिस सोनम को अगले कुछ दिन में इंदौर ले जा सकती है।

## तेजप्रताप ने वीडियो जारी कर पिता लालू को किया याद

पटना। राजद से निकाले जाने के बाद लालू के बड़े लाल तेज प्रताप यादव ने किसी तरह की नई पार्टी बनाने से इंकार किया है। साथ ही उन्होंने राजनीतिक पार्टी बनाने के अफवाह को लेकर कथित जयचंद पर निशाना साधा है। तेज प्रताप ने वीडियो साझा किया है, जिसमें वे अपने पिता लालू यादव के साथ दिख रहे हैं। वीडियो में तेज प्रताप, लालू यादव के पीछे खड़े है और एक गाना...पापा मेरी जां, हर दम रखना अब हाथ ये सर पर तुम... बैकग्राउंड में बजता सुनाई दे रहा है। इसके साथ ही उन्होंने पिता लालू के साथ कुछ पुरानी तस्वीरें भी शेयर की हैं, जिसमें वे लालू यादव के साथ अलग-अलग कार्यक्रमों में मंच शेयर करते हुए दिख रहे हैं। वीडियो पोस्ट के साथ तेज प्रताप ने एक तीखी टिप्पणी भी की है। उन्होंने लिखा है कि हद हो गई अब, इस जयचंद ने कुछ गोदी मीडिया वालों के साथ मिलकर अब ये अफवाह भी उड़ा दी है कि मैं कोई नई राजनीतिक पार्टी बना रहा हूं। बिहार की जनता से फिर से यही अपील करूंगा कि ऐसी किसी भी भ्रामक खबरों पर विश्वास न करें। जय हिंद... जय बिहार... जय राजद।

# दिल्ली एनसीआर में भीषण गर्मी से जूझ रहे लोगों को फिलहाल नहीं मिलेगी राहत

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** इस समय भारत के उत्तर पश्चिम इलाकों में भीषण गर्मी पड़ रही है। जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में लगातार हीट-वेव चल रहे हैं। लू के थपेड़ों ने आमलोगों का जीना मुहाल कर रखा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने इन प्रदेशों के लिए प्रचंड गर्मी और लू का रेड अलर्ट जारी किया है। दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश और बिहार में भी भीषण गर्मी और उमस का दौर आज यानी 13 जून 2025 को भी जारी रहने का पूर्वानुमान है। देश के इन हिस्सों में फिलहाल गर्मी से राहत की उम्मीद नहीं है।

देश की राजधानी दिल्ली के कई इलाकों में गुरुवार 12 जून को पारा 40 के पार चला गया। आयानगर में 45 तो पालम में 44.5 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। अत्यधिक टेम्प्रेचर की वजह से दिल्ली में दिनभर लू का दौर चलता रहा, जिस वजह से लोगों का घरों से निकलना दूभर हो गया।

राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, जम्मू जैसे क्षेत्रों में तो हालात और भी खराब रहे। पिछले कुछ दिनों से गर्मी ने रंग दिखाना शुरू किया है, जिस वजह से सुबह 9-10 बजे के बाद से ही इतनी तेज धूप निकल रही है कि कामकाजी लोगों को छोड़कर अन्य लोग घरों से निकलने में परहेज करने लगे हैं। मौसम विभाग के अनुसार, आनेवाले कुछ दिनों तक हालात ऐसे ही बने रह सकते हैं।

### यहां हीट-वेव से राहत नहीं

मौसम विभाग के अनुसार, अगले 24 घंटों में पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में लू की स्थिति बनी रह सकती है। राजस्थान के कुछ हिस्सों में फिर से भीषण लू पड़ने की संभावना है। वहीं, केरल, कर्नाटक, कोंकण और गोवा तथा मध्य महाराष्ट्र के कुछ इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी वर्षा हो सकती है। तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, मराठवाड़ा, विदर्भ, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, ओडिशा, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, पूर्वोत्तर भारत और बिहार के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना है। तमिलनाडु और उत्तराखंड में भी कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है।

### कुछ जगहों पर भारी बारिश

स्काईमेट वेदर की रिपोर्ट के अनुसार, केरल, कर्नाटक, उत्तर तमिलनाडु, तटीय आंध्र प्रदेश और अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश दर्ज की गई। वहीं, लक्षद्वीप, तमिलनाडु, रायलसीमा, तेलंगाना, ओडिशा, गंगीय पश्चिम

बंगाल, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और उत्तराखंड में भी वर्षा दर्ज की गई। दक्षिण छत्तीसगढ़, दक्षिण-पश्चिम उत्तर प्रदेश, दक्षिण मध्य प्रदेश, विदर्भ, मराठवाड़ा और पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों में हल्की वर्षा हुई। मौसम विभाग के अनुसार, आगामी 48 घंटों में यह मानसून विदर्भ, छत्तीसगढ़ और ओडिशा के कुछ और हिस्सों में प्रवेश कर सकता है। इस समय एक सक्रिय चक्रवाती सर्कुलेशन पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में उत्तर तटीय आंध्र प्रदेश के पास एक्टिव है। इसके अलावा, एक ट्रफ रेखा उत्तर-पूर्वी राजस्थान से लेकर मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ होते हुए उत्तर तटीय आंध्र प्रदेश तक फैली है। पूर्वी उत्तर प्रदेश और हरियाणा पर भी अलग-अलग चक्रवाती सर्कुलेशन देखे जा रहे हैं। वहीं, एक पश्चिमी विक्षोभ भी सक्रिय है।

# उद्धव और राज ठाकरे के मिलान की संभावना हुई कम, फडणवीस बने विलेन

**मुंबई (एजेंसी)।** महाराष्ट्र की राजनीति में लंबे समय से अटकलों का केंद्र रहे उद्धव और राज ठाकरे के एक साथ आने की संभावना अब खत्म होती दिख रही है। हालिया घटनाक्रम और राजनीतिक समीकरणों ने इस संभावना को धुंधला कर दिया है।

10 जून से पहले शरद और अजित पवार के पुनर्मिलन की चर्चाएं गर्म थीं, ठीक उसी तरह ठाकरे बंधुओं के बीच फिर से साथ आने के कयास लग रहे थे। हालांकि, पवार की तरह ही ठाकरे परिवार में भी सार्वजनिक संकेतों और पारिवारिक मेल-मुलाकातों के बावजूद कोई ठोस पहल सामने नहीं आई।

बीते विधानसभा चुनावों में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) को विपक्षी गठबंधन में सबसे अधिक सीटें मिली थीं, वहीं राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) पूरी तरह से चुनावी नक्शे से गायब हो गई। उनके बेटे अमित ठाकरे भी चुनाव हार गए। इसके बाद राजनीतिक विश्लेषकों का मानना था कि आगामी बीएमसी चुनावों के मद्देनजर दोनों भाइयों का एक साथ आना, उनके लिए 'सियासी संजीवनी' साबित हो सकता था।

लेकिन अब ये समीकरण बदलते दिख रहे हैं। 12 जून को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और राज ठाकरे की मुंबई के होटल में हुई अनौपचारिक और 'अनशेड्यूल्ड' मुलाकात ने ठाकरे बंधुओं की संभावित एकता पर नए सिरे से सवाल खड़े कर दिए हैं।

सूत्रों के अनुसार मुलाकात एक घंटे से अधिक चली और मुलाकात को गुप्त रखने की कोशिश की गई। राजनीतिक विश्लेषक ठाकरे-फडणवीस समीकरण के पुनरुत्थान के संकेत के तौर पर देख रहे हैं, जिससे उद्धव के साथ राज ठाकरे के गठबंधन की संभावना को बड़ा झटका लगा है।

एक ओर जहां फडणवीस मुद्दे को 'ठाकरे भाइयों का निजी मामला' बताकर किनारा करते रहे हैं, वहीं अब उनकी सक्रियता और राज ठाकरे के साथ बढ़ती नजदीकियां भविष्य की राजनीतिक योजनाओं की ओर इशारा करती हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक कजोड़मल मीना के लिए स्काईटक प्रिन्टर्स, 111, नवाब कल्लन का बाग, एमएलए क्वार्टर, नीयर समाचार जगत, एमआई रोड, जयपुर से मुद्रित एवं 303, भव्य टॉवर, कबीर मार्ग, बनीपार्क जयपुर से प्रकाशित।
(इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी) समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्राधिकार जयपुर शहर होगा। मो. नं. 9928078717